हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्ष: 8, अंक: 270, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 2 अप्रैल, 2024 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

विकसित भारत, सर्वांगीण विकास ही मोदी की गारंटी है : सीएम योगी

योगी ने हाथरस में भाजपा के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को किया संबोधित, सरकार की गिनाई उपलब्धियां

हाथरस। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत, सर्वांगीण विकास ही मोदी की गारंटी है। विकसित भारत में बिना भेदभाव हर व्यक्ति, जाति-समुदाय को सम्मान व आगे बढ़ने का अवसर मिले। बेटी-व्यापारियों को समान सुरक्षा की गारंटी हो, जहां अराजकता नहीं बल्कि कानून का राज हो। जातिवाद-परिवारवाद नहीं, सबका साथ-सबका विकास हो और यही विकसित भारत की परिकल्पना का आधार है। मोदी की गारंटी को हमने जमीनी धरातल पर उतरते देखा है, इसलिए पूरे देश को 'मोदी की गारंटी' पर विश्वास है। मोदी पर अंगुली उठाने वाले भारत के विकास में अवरोधक हैं। यह विकसित भारत के मार्ग के बैरियर हैं। हमें इन बैरियर को हटाना होगा और मोदी जी के नेतृत्व में सुरक्षित व समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हाथरस में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। सीएम ने प्रदेश सरकार के मंत्री व हाथरस से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी अनूप वाल्मीकि 'प्रधान' के लिए जनसमर्थन की

अपील की। सीएम ने कहा कि हाथरस ब्रज मंडल का प्रवेश द्वार है। पीएम मोदी ने 2020 में आत्मनिर्भर भारत की बात कही। हाथरस, कासगंज, अलीगढ़, मुरादाबाद, आगरा, मथुरा आदि के लोगों ने सैकड़ों वर्ष पहले आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया था। जब हमने प्रदेश में प्रत्येक जनपद के उत्पाद को प्रोत्साहित करने के लिए ओडीओपी की नीति बनाई तो उसके पीछे मुरादाबाद की पीतल की कारीगरी, अलीगढ़ का हार्डवेयर, हाथरस की हींग, फिरोजाबाद का ग्लास आइटम आदि थे। हस्तशिल्प व हुनर हमारे देने का हिस्सा था। आपके पूर्वजों ने यहां आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के माध्यम से सामाजिक स्वावलंबन का उदाहरण देने का कार्य किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रबुद्धजन समाज को नेतृत्व देते हैं, इसलिए आपका आह्वान करने आए हैं। चुनाव की बागडोर अपने हाथों में लेकर आप यूपी के लक्ष्य के अनुरूप परिणाम देने के लिए मोदी जी को 80 सीटों की जीत की माला दे सकें। प्रबुद्धजन समाज की मान्यता व राय को आवाज देते हैं। अपने ओपिनियन के माध्यम से मार्गदर्शन करते हैं, इसलिए आप पर जिम्मेदारी भी है। आपने बदलते हुए नए भारत का दर्शन किया है। आपने 2014 के पहले की अराजकता देखी है और उसके बाद का एक भारत-श्रेष्ठ भारत भी देखा है। यहां सुरक्षा-समृद्धि, आजीविका व आस्था का सम्मान भी देखा है। भारत का सम्मान 140 करोड़ लोगों का सम्मान है। यहां इंफ्रास्ट्रक्चर के अनेक कार्य हुए हैं। आज विकास हमारी पहचान बन रही है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं का कोई सानी नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि यह चुनाव फैमिली फस्ट्रट, नेशन फस्ट्रट का है। तुष्टिकरण बनाम भारत की आस्था का चुनाव है। हमें देखना है कि अराजकता, दंगा, कर्फ्यू लगाने वालों के हाथों में फिर सत्ता आएगी या दंगामुक्त, कर्फ्यूमुक्त, सुरक्षित वातावरण देने वाली मोदी की सरकार आएगी, जिसने बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ दिया है। न जाति, न पाति, न क्षेत्र, न भाषा देखी गई, सभी को समान रूप से विकास की योजनाओं का लाभ दिया गया। सीएम ने वर्तमान सांसद राजवीर सिंह दिलेर की भी मंच से तारीफ की। बोले कि उनका आशीर्वाद भी अनूप वाल्मीकि के साथ है। पार्टी ने आदेश दिया कि वहां नया प्रत्याशी आएगा तो राजवीर सिंह पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में निष्ठा के साथ लग गए। पार्टी ने अनूप वाल्मीकि को प्रत्याशी बनाया है।

ओवैसी ने मुख्तार अंसारी के बेटे को लगाया गले, 40 मिनट की बात; सरकार पर साधा निशाना

गाजीपुर। माफिया मुख्तार की मौत के बाद एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी रविवार को मुहम्मदाबाद पहुंचे। ओवैसी ने मुख्तार अंसारी की मौत पर शोक जताने रविवार की देर रात पहुंचे। ओवैसी लखनऊ से सीधे मुहम्मदाबाद में सांसद अफजाल अंसारी के फाटक स्थित आवास पर पहुंचे। इस दौरान समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी भी मुख्तार अंसारी की मौत पर शोक जताने रविवार की देर रात पहुंचे। वह लखनऊ से सीधे मुहम्मदाबाद में सांसद अफजाल अंसारी के फाटक स्थित आवास पर पहुंचे। जहां फाटक पर मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को गले लगाया। वहीं, उनके साथ खाना भी खाया। 40 मिनट तक बातचीत भी हुई। उधर, इसके पहले ओवैसी के आने की खबर लगने पर समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी । मुख्तार अंसारी के भतीजे व विधायक शोहेब अंसारी ने माइक लेकर लोगों से जाने की अपील किया। उधर, पुलिस ने फिर से फाटक के पास बैरिकेडिंग कर दिया। साथ ही फोर्स की तैनात कर दिया और मीडिया कर्मियों को भी बैरिकेडिंग के बाहर गया। उधर, मुख्तार अंसारी के भतीजे व विधायक शोहेब अंसारी ने माइक लेकर लोगों से जाने की अपील किया।

जेल में रहेंगे केजरीवाल : 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा, कोर्ट में पहली बार आतिशी-सौरभ के नाम का खुलासा

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें अब न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। कोर्ट ने केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा है। ईडी ने कोर्ट में न्यायिक हिरासत की मांग की थी। अरविंद केजरीवाल की पेशी के दौरान पत्नी सुनीता, आप नेता सौरभ भारद्वाज, आतिशी, गोपाल राय समेत कई नेता मौजूद रहे। बीती 28 मार्च को अरविंद केजरीवाल को कोर्ट ने राहत नहीं दी थी और एक अप्रैल तक के लिए ईडी की रिमांड पर भेज दिया था। ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से पेश हुए एएसजी एसवी राजू ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और जांच को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विजय नय्यर ने मुझे कभी रिपोर्ट नहीं किया। लेकिन वह आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था। केजरीवाल ने साफ कहा कि विजय नायर मुझे नहीं आतिशी और सौरभ को रिपोर्ट करता था। केजरीवाल ने अपने मंत्रियों का नाम लिया है। केजरीवाल पक्ष के वकील ने जेल में कुछ दवाईयां उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। साथ ही, तीन किताब की मांग की है, रामायण, हाउ प्राइम मिनिस्टर डिसाइड बाय जर्नलिस्ट नीरज चौधरी,

महाभारत। केजरीवाल के वकील ने स्पेशल डाइट की मांग की है। अरविंद केजरीवाल ने अपना लॉकेट, और टेबल चेयर भी मांगी है। दिल्ली शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजे जाने पर पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि उन्हें जेल क्यों भेजा गया। देश की जनता इस तानाशाही के खिलाफ जवाब देगी। अदालत ने कहा कि वह ईडी को समक्ष स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देती हैं, क्योंकि वह ट्रायल कोर्ट के आदेश के अनुसार हिरासत में हैं। अदालत यह स्पष्ट करती हैं कि उन्होंने याचिकाकर्ता के अधिकार क्षेत्र पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ईडी ने न्यायिक हिरासत की मांग की है। एएसजी ने कहा कि केजरीवाल ने अभी तक पासवर्ड साझा नहीं किए है। रमेश गुप्ता और एएसजी राजू वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़े। एएसजी राजू ने आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल जांच में सहयोग नहीं कर रहे है। राजू ने कहा केजरीवाल सवालों के सीधे जवाब नहीं दे रहे है। अदालत को ये सब बताने का मकसद है कि ईडी आगे भी केजरीवाल की हिरासत की मांग कर सकते है। राजू ने कहा केजरीवाल सवालों के सीधे जवाब नहीं दे रहे है। अदालत को ये सब बताने का मकसद है कि ईडी आगे भी केजरीवाल की हिरासत की मांग कर सकते है। कथित आबकारी घोटाला मामलाः केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंची। थोड़ी ही देर में केजरीवाल को स्पेशल जज कावेरी बावेजा की अदालत में पेश किया जाएगा। आज केजरीवाल की 4 दिन की रिमांड अवधि पूरी हो रही है। केजरीवाल को 21 मार्च को उनके आवास से मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट परिसर में पेशी पर आने के दौरान कहा कि जो पीएम कर रहे है। वह देश की लिए सही नहीं है।

'पन्नू मामले से भारत के भी सुरक्षा हित जुड़े', विदेश मंत्री बोले- 'अभी कुछ भी कहने के लिए नहीं'

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश की जांच से भारत के भी सुरक्षा हित जुड़े हुए हैं। विदेश मंत्री का यह बयान भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गासेर्टी के उस बयान के बाद सामने आया है, जिसमें गासेर्टी ने हाल ही में कहा था कि किसी देश के नागरिक की हत्या की साजिश में दूसरे देश की सरकार के एक अधिकारी का शामिल होना, ऐसी चीज है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता और यह 'लाल रेखा' है। सोमवार को जब मीडिया ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से इसे लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि 'हमारा मानना है कि इस मामले की जांच से हमारे भी सुरक्षा हित जुड़े हैं।' अमेरिकी राजदूत के बयान पर उन्होंने कहा कि 'अमेरिकी राजदूत वही कहेंगे, जो उनकी सरकार की सोच है। इस मामले में हमें कुछ जानकारियां उपलब्ध कराई गई हैं,

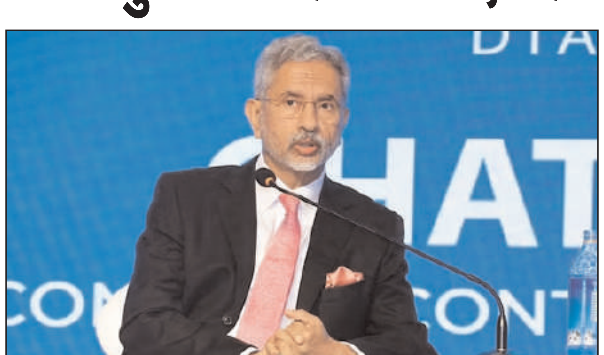

जिनकी हम जांच कर रहे हैं।' विदेश मंत्री ने मामले की जांच पर कहा कि 'जब भी हमारे पास बताने के लिए कुछ होगा, तो हम जरूर उसके बारे में बताएंगे। अभी जांच चल रही है और हमारे पास बताने के लिए कुछ भी नहीं है।' भारतीय नागरिकों के यूक्रेन युद्ध में फंसने पर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने इस मामले को रूस की सरकार के समक्ष पूरी मजबूती से उठाया है। हम कोशिश कर रहे हैं कि सभी लोगों को सुरक्षित भारत लाया जा सके। बीते महीने भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी कहा था कि कई भारतीयों को भ्रम में रखकर रूस की सेना में शामिल किया गया। नई दिल्ली ने इस मामले को मजबूती से मॉस्को के सामने उठाया और सभी भारतीयों को वापस स्वदेश भेजने की मांग की। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों से ये भी अपील की कि वे एजेंट्स के भ्रामक दावों में न आएं।

ज्ञानवापी के तहखाने में जारी रहेगी पूजा, हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद ज्ञानवापी में व्यास जी के तहखाने में पूजा जारी रहेगी। वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी के व्यास जी के तहखाने में पूजा अर्चना करने की अनुमति प्रदान की थी। इसके खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हालांकि हाईकोर्ट ने जिला अदालत के फैसले पर रोक से इनकार कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले पर रोक से इनकार कर मस्जिद कमेटी को बड़ा झटका दिया है। सोमवार को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कि 17 जनवरी और 31 जनवरी के आदेशों के बाद भी मुस्लिम वर्ग द्वारा ज्ञानवापी में नमाज अता की जा रही है। वहीं हिंदू पुजारी द्वारा भी तहखाने में पूजा की जा रही है। ऐसे में यथास्थिति को बनाए रखना सही है। सुप्रीम कोर्ट ने अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की अपील पर हिंदू पक्ष को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल बीती 31 जनवरी को वाराणसी की अदालत ने अपने एक आदेश में हिंदू श्रद्धालुओं को ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने में पूजा अर्चना करने की अनुमति दी थी। वाराणसी की अदालत के इस फैसले के खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी द्वारा हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि हाईकोर्ट ने कमेटी की याचिका खारिज कर दी और जिला अदालत के फैसले को बरकरार रखा। अब हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। जिला अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा नामित एक पुजारी द्वारा व्यास जी के तहखाने में पूजा अर्चना की जाएगी। जिला अदालत में याचिका दायर करने वाले पुजारी ने बताया कि उनके दादा व्यास जी दिसंबर 1993 तक तहखाने में पूजा अर्चना करते थे।

भाजपा सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता श्रीनेत को आयोग ने लगाई फटकार

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने भाजपा सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत को उनके महिलाओं के खिलाफ दिए आपत्तिजनक बयान को लेकर फटकार लगाई है। आयोग ने साथ ही दोनों नेताओं को चेतावनी दी है कि वे अपने बयानों को लेकर सावधान रहें और आयोग की अब उन पर चुनाव के दौरान खास नजर रहेगी।

चुनाव आयोग ने दोनों नेताओं को चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी माना है और भविष्य में सार्वजनिक बयानों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। भाजपा सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत के बयानों को लेकर चुनाव आयोग ने दोनों नेताओं को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। अपने जवाब में दोनों नेताओं ने स्वीकार किया कि उन्होंने चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया और निजी हमले किए। जवाब मिलने के बाद आयोग ने दोनों नेताओं को चेतावनी दी है कि अब वे आगे से सार्वजनिक बयानों को लेकर सावधानी बरतें। साथ ही चुनाव के दौरान दोनों नेताओं के बयानों की चुनाव आयोग द्वारा विशेष समीक्षा की जाएगी। आयोग

ने कहा कि 'वह आश्वस्त है कि दोनों नेताओं ने निम्न स्तर का व्यक्तिगत हमला किया और यह आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन है। उन्हें आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है। आयोग द्वारा सोमवार से इन दोनों नेताओं के चुनाव संबंधी संवाद पर विशेष और अतिरिक्त निगरानी रखी जाएगी।' आयोग ने अपने चेतावनी नोटिस की कॉपी पार्टी के अध्यक्षों को भी भेज दी है ताकि वे भी अपनी पार्टी के नेताओं को चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन और आपत्तिजनक बयानबाजी को लेकर आगाह कर सकें। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने फिल्म अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट किया था। जिस पर विवाद हुआ था और भाजपा ने इसे लेकर कांग्रेस नेता को घेर लिया था। बाद में सुप्रिया श्रीनेत को अपने बयान को लेकर सफाई देनी पड़ी थी। वहीं भाजपा सांसद दिलीप घोष ने चुनाव प्रचार के दौरान बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिस पर चुनाव आयोग ने दिलीप घोष और सुप्रिया श्रीनेत को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी बोले- सबूतों ने पहुंचाया जेल, उन्होंने अपना गुरु बदल लिया

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। ईडी ने कोर्ट में न्यायिक हिरासत की मांग की थी। अरविद केजरीवाल के जेल जाने पर भाजपा समेत कई पार्टियों ने टिप्पणी की है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने पर भाजपा सांसद और नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अदालत का आज का फैसला ठोस सबूतों पर आधारित है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जिन लोगों ने पीड़ित होने का दिखावा करने की कोशिश की। मैं बता देने चाहता हूं कि आज जो फैसला कोर्ट से आया है वह ठोस सबूतों के आधार पर है। जिसके बारे में न हमें, न आपको या किसी और को जानकारी है। सबूतों के आधार पर ही न्यायिक हिरासत को 15 दिनों के लिए बढ़ाने का फैसला किया। अब यह कुछ नैतिक और संवैधानिक सवाल उठाता है। अन्ना हजारे उनके हुआ करते थे। गुरु ने कहा था कि वह राजनीति में नहीं

आएंगे। लेकिन चेला राजनीति में आया और मुख्यमंत्री भी बन गया। लेकिन कल एक और रैली हुई जहां उन्होंने अपना गुरु बदल लिया। अब गुरु क्या लालू प्रसाद यादव हैं। जब लालू यादव जेल जा रहे थे तो कम से कम उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन उन्होंने अभी तक इस्तीफा नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल ने मुख्य आरोपी विजय नायर का जिक्र किया है। आतिशी और सौरभ भारद्वाज को भी रिपोर्ट में नाम आ गया है। शराब नीति पर दिल्ली सरकार की स्थिति साफ होती जा रही है। देखना होगा कि केजरीवाल इस्तीफा देते हैं या नई राजनीति की ओर बढ़ते हैं।

आज से दवा और दारू दोनो हुए महंगे : दवाओं पर 12% तो दारू पर 10% का हुआ है इजाफा

प्रखर डेस्क। देश में आज एक अप्रैल से जहां शराब महंगी और गैस सिलेंडर सस्ता हुआ है। वहीं लोगों को दवाइयों को लिए बड़ा झटका लगा है, क्योंकि आज से 500 से ज्यादा दवाइयां महंगी हो गई हैं। दवाइयों के रेटों में करीब 12 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ऐसे में अब लोगों को एंटी-बयोटिक्स से लेकर पेनकिलर तक खरीदने के लिए ज्यादा जेब ढीली करनी होगी। कैंसर, दिल की बीमारी, एनीमिया, मलेरिया, एंटी-सेप्टिक को मिलाकर सभी दवाइयां आज से नए रेट पर मिलेंगी। दरअसल, सरकार ने दवा कंपनियों को एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स (WPI) के अनुसार दवाइयों के रेट बढ़ाने की परमिशन दी है। हालांकि नियमानुसार दवा कंपनियां एक साल में 10 प्रतिशत का इजाफा ही रेटों में कर सकती है, लेकिन इस बार 2 प्रतिशत ज्यादा यानी 12 प्रतिशत ज्यादा रेट बढ़ाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ सालों में फार्मा सेक्टर से जुड़े प्रोडक्ट 15 से 100 प्रतिशत तक महंगे हुए हैं। इन प्रोडक्ट में

पैरासिटामोल, ग्लिसरीन, प्रोपलीन ग्लाइकोल, सिरप, सॉल्वैंट्स आदि शामिल हैं। पेनिसिलिन भी महंगी हो गई। इसके चलते भारतीय दवा निमार्ताओं ने सरकार ने मेडिसिन फॉमूर्लेशन के दामों में करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की परमिशन मांगी। अन्य दवाइयों के दामों में भी वे 20 प्रतिशत का इजाफा करना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें 12 प्रतिशत तक की वृद्धि करने की परमिशन दी। साल 2023 में दवा कंपनियों ने 11 प्रतिशत रेट बढ़ाए थे। आज से महंगी हो गई ये दवाइयां विटामिन टैबलेट्स, स्टेरॉयड, पेन किलर्स, TB, कैंसर, मलेरिया, HIV एड्स, एंटी-बयोटिक्स, एंटी डोट्स, एनीमिया, पार्किंसंस, डिमेशियां की दवाएं, एंटी-फंगल मेडिसिन, दिल की बीमारी वाली दवाइयां, त्वचा रोग से जुड़ी औषधियां, प्लाजमा, एंटी-वायरल मेडिसिन, एंटीसेप्टिक्स और कीटाणुनाशक आदि शामिल है। वही दूसरी तरफ शराब पीने के शौकीनों को बड़ा झटका लगा रहा है, क्योंकि आज से देश में शराब महंगी हो गई है। दरअसल, आज से नया वित्त वर्ष शुरू हो गया है। इसके साथ ही नई एक्साइज पॉलिस भी लागू हो गई है। इससे बीयर, देसी और अंग्रेजी तीनों प्रकार की शराब के दामों में इजाफा हुआ है। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तीनों राज्यों में सरकारों ने शराब के नए रेट जारी कर दिए हैं। शराब के ठेकेदारों को भी नोटिफिकेशन भेज दिया गया है। नए रेट आज से ही लागू होंगे। आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गत 29 जनवरी को नई आबकारी नीति 2023-24 को मंजूरी मिली थी। मोदी कैबिनेट ने इस पर मुहर लगाई थी। नई आबकारी नीति के अनुसार, देश में शराब की लाइसेंस फीस 10 प्रतिशत बढ़ गई। एक्साइज रेट भी बढ़ाया गया है। इस वजह से ही देश में आज से शराब और बीयर महंगी हो गई। नई आबकारी नीति के तहत केंद्र सरकार ने अगले वित्त वर्ष में करीब 45 हजार करोड़ रुपये कमाने का लक्ष्य तय किया है। अब से पहले शराब के रेट जून 2022 में बढ़ाए गए थे। अब डेढ़ साल बाद एक बार फिर शराब के रेटों में इजाफा हुआ है, जिन्हें आज एक अप्रैल से लागू किया गया है। उत्तर प्रदेश में देसी शराब का पव्वा 5 रुपये महंगा हुआ है। यह अब 65 की बजाय 70 रुपये का मिलेगा। दूसरे प्रकार का पव्वा, जिसकी कीमत 75 रुपये थी, वह 15 रुपये महंगा हो गया है। यह पव्वा आज से 90 रुपये का मिलेगा। अंग्रेजी शराब का क्वार्टर 15 से 25 रुपये महंगा हुआ है। हॉफ और फुल बोतल भी महंगी मिलेगी। बीयर के कैन का रेट 10 रुपये बढ़ा है। बोतल के दामों में 20 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

संपादकीय

ब्रह्म ही तो है अन्न

भारतीय जीवन दर्शन में अन्न को प्रसाद मानकर सम्मान देने की परंपरा में उसे ब्रह्म की संज्ञा दी गई है। आज भी जिम्मेदार पीढ़ी के लोग खाने से पहले भोजन को प्रणाम करते तथा पहला कौर जीव-जंतुओं के लिये निकालते हैं। मकसद अन्न के महत्व को गरिमा देना और उसका उचित इस्तेमाल ही होता है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनईपी की वह रिपोर्ट एक काले सच को उजागर करती है कि पूरी दुनिया में 19 फीसदी भोजन बर्बाद कर दिया जाता है। एक भयावह सच्चाई यह भी है कि दुनिया में करीब 78.3 करोड़ लोग लंबे समय से भूख से जूझ रहे हैं। युद्धरत गाजा में इस भूख के संकट की भयावह स्थिति जब-तब उजागर होती रहती है। संयुक्त राष्ट्र की यह हालिया रिपोर्ट एक कठोर हकीकत से रूबरू भी कराती है कि पर्याप्त संसाधनों के बावजूद खाद्यान्न का न्यायसंगत वितरण नहीं हो पा रहा है। दूसरे शब्दों में यह एक नैतिक संकट भी है। दरअसल, भोजन की बबार्दी एक तरह से हमारे पर्यावरण को भी अस्थिर करती है। निश्चित रूप से यह संकट भारत में भी विद्यमान है। खाद्य सुरक्षा के नजरिये से भोजन की बबार्दी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के अनुसार भारत में कुल भोजन का एक-तिहाई हिस्सा उपभोग से पहले खराब हो जाता है। एक अनुमान के अनुसार भोजन की यह बबार्दी एक साल में प्रतिव्यक्ति पचास किलो होने की आशंका है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट भारत में कुपोषण से जुड़े संकट को भी उजागर करती है। जिसमें बताया गया है कि देश की 74 फीसदी आबादी स्वस्थ आहार का खर्च वहन नहीं कर सकती। ऐसे में भोजन का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होना नैतिक अपराध ही है। वहीं दुनिया के अन्य देशों की तरह भारत में भी खाद्य उत्पादन और अपशिष्ट से जुड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर्यावरण पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। दरअसल, कचरे के ढेरों में खराब खाद्यान्नों के अंश विघटित होने से ग्लोबल वार्मिंग के वाहक मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। वैश्विक संगठनों का आग्रह है कि दुनिया में खाद्य प्रणालियों में पूर्ण बदलाव लाएं। साथ ही समान वितरण को प्राथमिकता देने को प्रेरित किया जाना चाहिए। ऐसे में जब देश में लाखों लोग रोटी के लिये संघर्ष कर रहे हों, भोजन की बबार्दी नैतिक दृष्टि से अपराध ही है। इस संकट से उबरने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रणनीति की जरूरत है। जिसके लिये जागरूकता अभियान चलाने, नीतिगत उपायों में बदलाव लाने तथा समुदाय संचालित पहलों को एकीकृत प्रयासों से मूर्त रूप देने का प्रयास होना चाहिए। वहीं सरकारी हस्तक्षेप से अपशिष्ट को कम करने के लिये नियम बनाने की भी जरूरत है। समाज के स्तर पर भोजन को बर्बाद होने से रोकने के लिये दीर्घकालीन प्रयासों को प्रोत्साहित करना होगा। ऐसी व्यवस्था बनाएं, जिसमें सरकारी एजेंसियों, स्वयंसेवी संगठनों व निजी उद्यमों के मध्य बेहतर तालमेल से बचे भोजन के पुनर्वितरण की कुशल व्यवस्था बन पाये।

समर्पण, जीवन और दर्शन

जब हम स्कूल में पढ़ते थे, अध्यापकगण हर घंटे में कहते थे, ध्यान दो, ध्यान से पढ़ो। घर पर मां बच्चे को कोई समान लाने को कहे तो पहले कहेगी, ध्यान से पकड़ो। सड़क पर यदि कोई ड्राइवर गाड़ी ठीक से न चलाये, तो कहेंगे, उसका ध्यान भटक गया। इसका अर्थ हुआ ध्यान में ही सब प्रश्नों का हल छिपा है। ध्यान हमारी बुद्धि की सजगता की निशानी है। जब बुद्धि सजग हो तो भूल नहीं होती। इसी तरह जब मन ध्यानस्थ होता है तो सहज स्वाभाविक प्रसन्नता तथा उजास चेहरे पर स्वयमेव छाये रहते हैं। मन से सभी के लिए सद्भावनाएं उपजती हैं। यह दुनिया तब पहेली नहीं लगती न ही कोई भय रहता है। ध्यान से उत्पन्न शांति सामर्थ्य जगाती है और सारे कार्य थोड़े से ही प्रयास से होने लगते हैं। कर्तव्य पालन यदि समुचित हो तो अंतर्मन में एक अनिर्वचनीय अनुभूति होती है, ऐसा सुख जो निर्झर की तरह अंतर्मन की धरती से अपने आप फूटता है। संतजन कहते हैं, जो अपने लिये सत्यं, शिवं और सुन्दरं के अलावा कुछ नहीं चाहता, प्रकृति भी उसके लिये अपने नियम बदलने को तैयार हो जाती है। जो अपने स्व का विस्तार करता जाता है, जैसे-जैसे अपने निहित स्वार्थ को त्यागता जाता है, वैसे-वैसे उसका सामर्थ्य बढ़ता जाता है। अस्तित्व पर निर्भर रहें तो कोई फि क्र वैसे भी नहीं रह जाती क्योंकि वह हर क्षण हमारे कुशल-क्षेम का भार वहन करता है। हम जो भी करें उसका हेतु सत्य प्राप्ति हो तो सामान्य कार्य भी भक्ति ही बन जाते हैं। एक मात्र ईश्वर ही हमारे प्रेम का केन्द्र हो, जो कहना है उसे ही कहें। अन्यों से प्रेम हो भी तो उसी के प्रति प्रेम का प्रतिबिम्ब हो। परमात्मा की कृपा जब हम पर बरसती है तो अपने ही अंतर से बयार बहती है। तब अंतर में तितलियां उड़ान भरती हैं। ऐसा प्रेम अपनी सुगन्धि अपने आप बिखेरता है। दुनिया का सौंदर्य जब उसके सौंदर्य के आगे फीका पड़ने लगे, उस सत्यं शिवं सुन्दरं की आकांक्षा इतनी बलवती हो जाये, उसके स्वागत के लिए तैयारी अच्छी हो तो उसे आना ही पड़ेगा। रामरस के बिना हृदय की तृष्णा नहीं मिटती। परम प्रेम हमारा स्वाभाविक गुण है, उससे च्युत होकर हम संसार में आसक्त होते हैं। श्रीकृष्ण का सौंदर्य, शिव की सौम्यता, और राम का रस जिसे मिला हो वही धनवान है। संसार में जो कुछ भी शुभ है वह उस में है, तो यदि हम स्वयं को उससे जोड़ते हैं, प्रेम का संबंध बनाते हैं तो वह हमें इस शुभ से मालामाल कर देता है, दुःख हमसे स्वयं ही दूर भागता है, मन स्थिर होता है। धीरे-धीरे हृदय समाधिस्थ होता है।

अप्रामाणिक और तर्कहीन है मैक्स मूलर के थिअरी आफ आर्यन्स का सिद्धांत

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है उसके निरंतर विकास के लिए जरूरी है समाज का होना और अत्यंत जरूरी है समाज में किसी सिद्धांत, परिभाषा या विचारों का उद्भव होना। जीवन जीने के लिए जितनी आवश्यकता हवा, पानी और भोजन की पड़ती है शायद समाज को विकसित होने के लिए भी विचारों की उतनी ही आवश्यकता है। तमाम विचारकों के अपने मत और उनकी अपनी समझ से सभी ने अपने-अपने सिद्धांत दिए। ऐसे ही एक विचारक और लेखक थे मैक्स मूलर, जिन्होंने पश्चात सभ्यताओं के उद्भव और विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी, एक उनका सिद्धांत जो आज भी तमाम विचारको और लेखकों के लिए बहस का मुद्दा बना हुआ है जिसका नाम है थिअरी आफ आर्यांस। इस सिद्धांत पर पहले भी तमाम बहस और चचाएं हुई हैं यह एक तर्कसंगत और सोचनीय विचार है की क्या सच में थिअरी आफ आर्यांस की इतनी प्रगाढ़ भूमिका है जिसे पाश्चात्य लेखक और कलमकार आज तक भारतीय सभ्यताओं के उद्भव और उनकी प्रखरता को स्वीकार नहीं पाए हैं। मैक्स मूलर ने अपने सिद्धांत में प्रमुख बिंदुओं को अवलोकिता करते हुए यह सिद्ध करने का प्रयास किया था कि वैदिक काल जिसे हम कान्स्य काल भी कहते हैं, वह कहीं ना कहीं आर्यंस के द्वारा ही निर्धारित किया गया था रिग वैदिक काल जिसमें आर्यन्स के उद्भव और प्रखरता की विशेष रूप से गणना की गई है को प्रमुखता से अपने सिद्धांत में रखकर या बताने की कोशिश कर रहे थे की वैदिक काल में संस्कृत भाषा का प्रयोग आर्यंस ने किया था और वह साइबेरिया या मध्य यूरोप की बर्फीली पहाड़ियों से आर्यंस अपने साथ लेकर आए थे, उनका तर्क है की कांस्य युग ताम्र युग के बाद आया (जिसे हम हड़प्पा की सभ्यता भी बोलते हैं)। और थ्योरी ऑफ आर्यंस का तीसरा तर्क उन्होंने दिया की लैटिन भाषा जिसके कुछ शब्द संस्कृत भाषा से मिलते जुलते हैं कि उत्पत्ति भी आर्यों द्वारा हुई थी, जो साइबेरिया से होते हुए पूरे विश्व में फैली। अब विचारणीय विषय यह है कि ताम्र युग जिसे मैक्स मूलर बताते हैं कि हड़प्पा सभ्यता (कांस्य युग) के बाद आया था क्या यह तर्कहीन नहीं लगता कि पहले तांबे की खोज हुई होगी उसके बाद अन्य धातुओं को मिलाकर कांसा बना होगा। जो यह सिद्ध करता है कि मैक्स मूलर ने सभ्यताओं के उद्भव और उन सभ्यताओं में प्रयोग हुई वस्तुओं का ठीक से निस्तारण कर-के विचार प्रकट नहीं किया। दूसरा तर्क उन्होंने भाषा को लेकर जो दिया है की आर्यंस ने संस्कृत भाषा की खोज की जिससे पूरी दुनिया में संस्कृत का विस्तार हुआ और वह यूरोप और रूस की मध्य में स्थित बर्फीली पहाड़ियों से होते हुए भारतीय उपमहाद्वीप और यूरोपीय उपमहाद्वीप पर फैला। अब भारतीय दार्शनिकों और विचारों का एक मत यह है कि संस्कृत भाषा का उद्भव और उत्पत्ति केवल और केवल भारतीय उपमहाद्वीप में हुई क्योंकि संस्कृत भाषा कि सारी की सारी पांडुलिपियां भारतीय उपमहाद्वीप में ही मिली जिसके प्रमाण स्वयं वेद हैं पूराण हैं और ग्रंथ हैं। एक तर्क यह भी है कि हो सकता है मनुष्यों की उत्पत्ति से और घूमने टहलने से भी भाषाओं का आदान-प्रदान निश्चित होता है। मैक्स मूलर ने आर्यों को अक्रांत माना है जो की लोहे का उपयोग करते थे जबकि रिग वैदिक ऋचाओं से यह सिद्ध हो चुका है कि रिग वैदिक आर्यों को ऋग्वेद लिखे जाने तक केवल एक ही धातु का ज्ञान था वह धातु थी तांबा। यहां तक की महाभारत कालीन पुरस्थलों जैसे सिनौली तथा हस्तिनापुर की खुदाईयों से यह सिद्ध हो चुका है कि आर्यों को महाभारत काल तक भी लोहे का ज्ञान नहीं था, आर्यों द्वारा ऋग्वेद की रचना महाभारत के युद्ध से कई हजार वर्ष पूर्व सप्त सिंधु क्षेत्र में की गई थी जिसमें सरस्वती नदी का क्षेत्र प्रमुख था। जबकि महाभारत का युद्ध एवं महाभारत ग्रंथ का लेखन आर्यों द्वारा गंगा नदी के क्षेत्र में किए गए थे इस प्रकार रिग वैदिक सभ्यता सरस्वती क्षेत्र की सभ्यता है जबकि महाभारत की सभ्यता गंगा क्षेत्र की सभ्यता है उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सिनौली तथा मेरठ के निकट हस्तिनापुर से महाभारत कालीन सभ्यता के पूरा स्थलों की पहचान की गई है इन पूरा स्थलों से तांबा और स्वर्ण धातुओं से निर्मित सामग्रिय मिली हैं इन स्थलों से लोहे का एक भी पत्र हथियार अथवा औजार प्राप्त नहीं हुआ है। भारत में रिग वैदिक सभ्यता से लेकर महाभारत कालीन सभ्यता तक का समय ताम्र युगीन अर्थात ताम्र पाषाणिक सभ्यता को ठहराता है। अर्थात रिग वैदिक सभ्यता रमकालीन सभ्यता एवं महाभारत कालीन सभ्यता सिंधु घाटी सभ्यता से प्राचीन अथवा उसके समकालीन रही होगी। किसी भी स्थिति में रिग वैदिक सभ्यता रमकालीन सभ्यता एवं महाभारत कालीन सभ्यताएं सिंधु सभ्यता के बाद कि नहीं है क्योंकि यह सभ्यताएं ताम्र युगीन थी जबकि सिंधु घाटी सभ्यता कास्यूगीन है। प्राचीनतम आर्यों की बस्तियां यूरोप से लेकर मध्य एशिया एवं भारत में सप्त सिंधु प्रदेश तथा सरस्वती के तट तक पाई गई हैं किंतु आर्यों की सभ्यता का इतिहास निश्चित रूप से इन बस्तियों से भी पुराना है। आर्यों के प्राचीनतम साहित्य अर्थात ऋग्वेद का रचनाकाल ईसा पूर्व 4000 माना जाता है किंतु संभव है कि भारत में आर्य इस अवधि से भी पहले से रह रहे हो रिग वैदिक सभ्यता कितनी पुरानी है इसका अनुमान ऋग्वेद में आई ऋचाओं से लगाया जा सकता है। मैक्स मूलर आदि ऋग्वेद काल को इस पूर्व 2500 के बीच रचा गया मानते हैं जबकि वेद खुद प्रमाण देते हैं कि जिस काल में आर्यों ने ऋग्वेद की रचना की उसे कल में मानव सभ्यता उन्नत अवस्था में पहुंच चुकी थी रिग वैदिक सभ्यता के मनुष्यों को ज्ञान विज्ञान संस्कृत एवं आध्यात्मिक गहरी रुची थी इस सभ्यता का मनुष्य अत्यंत चिंतनशील एवं करुणा से भरपूर था इस सभ्यता के मनुष्यों का चिंतन इतना उन्नत था कि वह धरती के समस्त मनुष्य एवं प्राणियों के कल्याण के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता था। भीड़ भड़ाना की खुदाई से पहले भारत में इस तरह की कोई सभ्यता प्राप्त नहीं हुई थी इस सभ्यता की विशेषता यह है कि इसमें भूमिगत आवास पा गए हैं यह आवास भूमि में गड्ढे खोदकर बनाए गए हैं इसी के आधार पर इस सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता से भी पुरानी सभ्यता माना गया है। यह घघ्घर नदी के किनारे मिला है जिसको प्राचीन काल में सरस्वती नदी की एक धारा माना जाता था। आर्य भारत की प्राचीनतम जातियों में शहर तथा आर्य भारतीय उपमहाद्वीप के मूल निवासी हैं भारत में आर्य और द्रविड़ जैसी दो जातियों के निवास एवं संघर्ष का सिद्धांत गलत है, भारत की सिंधु सभ्यता से लेकर अंडमान निकोबार तक के लोगों का डीएनए एक ही है। राखीगढ़ी से मिले डीएनए का मिलान मध्य एशिया की प्राचीन सभ्यताओं से मिले किसी भी नर कंकाल के डीएनए से नहीं हुआ है, इससे सिद्ध होता है कि राखी घड़ी के लोगों का मध्य एशिया के लोगों से कोई संबंध नहीं था। भारतीय विचारों का एक अनुमान यह भी है कि 10 12000 साल से संपूर्ण एशिया का एक ही जिन रहा है किंतु यूरोप और मध्य एशिया आदि क्षेत्रों से भारत में आने वाले विदेशियों से भारतीय जीन में मिक्सिंग होती रही है इस कारण आर्यों में काले, गोरे, गेहूं सभी रंगों के मनुष्य सम्मिलित हैं। तमाम डीएनए के आधार पर प्रोफेसर शिंदे ने आर्य और द्रविड़ को एक ही माना है। इन इतिहासकारों के अनुसार द्रविड़ जाती आर्य जाति की एक शाखा है भारत के मूल निवासियों ने शिकार करने से लेकर पशु चारण करने पशुपालन करने खेती करने घर बनाने एवं वेदों की रचना करने तक की लंबी यात्रा स्वयं ही तय की है। हड़प्पा कालीन मानव कंकालों ने शोध के नए दरवाजे खोले हैं इन दोनों स्थलों से मिली सभ्यताएं आर्य सभ्यताएं हैं तथा यहां से प्राप्त मानव कंकालों के डीएनए हड़प्पा सभ्यता के कंकालों से मिले मानव डीएनए से मेल खाते हैं वैज्ञानिकों ने अपना निष्कर्ष प्रस्तुत किया है कि हड़प्पा सभ्यता को विकसित करने वाले मनुष्य भारतीय उपमहाद्वीप के ही थे आर्य और ग्रामीण सभ्यता में संघर्ष के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं उनके अनुसार आर्य भारतीय उपमहाद्वीप के थे और मोहनजोदड़ो हड़प्पा सभ्यता एवं वैदिक सभ्यता के लोग एक ही थे। यहां के लोग ही ईरान मध्य एशिया मध्य यूरोप में व्यापार और खेती करने गए थे। आर्य किसी जाति का नाम न होकर श्रेष्ठ अर्थ युक्त विशेषण है जैन बौद्ध एवं हिंदू ग्रंथो के अनुसार आर्य शब्द का आशय किसी जाति से न होकर श्रेष्ठ व्यक्ति से है। इसी कारण वेदों में "कृण्वतो विश्वम आर्यम" का उद्घोष मिलता है जिसका शाब्दिक एवं व्यावहारिक अर्थ है संसार को श्रेष्ठ बनाएंगे यदि आर्य किसी जाति का नाम होता तो वेदों में यह उद्घोष नहीं मिलता क्योंकि किसी की जाती नहीं बदली जा सकती। अगर भाषाई आधार पर मैक्स मूलर ने यह तर्क सही ढंग से दिया होता तो शायद उन्हें यह विचार अवश्य करना चाहिए था की भाषा के आधार पर जातीय पहचान स्थापित करने वाले मतों को इसलिए पूर्णता तर्कसंगत नहीं माना जा सकता क्योंकि जब कोई जाति अपना क्षेत्र छोड़कर किसी अन्य प्रदेश में जाती है तो वह इस क्षेत्र की भाषा में व्यवहार करने लगती है और कुछ समय में अपनी मूल भाषा को भूल जाती है जैसे कि आज कुछ क्षेत्रीय भाषाएं जो जो आज मनुष्यों के व्यवस्थापन होने से बदला जा रही हैं। उदाहरण स्वरूप मंगल एवं चकटाई भाषाएं बोलते थे आज उन तुर्कों एवं मुगलों की संताने अपने पूर्वजों की भाषण पूरी तरह भूल चुकी हैं तथा भारत की क्षेत्रीय भाषाएं अथवा हिंदी या अंग्रेजी बोलते हैं अब यह भलीभांति स्वीकार कर लिया गया है की भाषा का जाति से कोई निश्चित संबंध नहीं होता अपितु क्षेत्र से होता है। रिग वैदिक कल में आर्य परिवार एक पितृतंत्रात्मक परिवार था जिसमें पिता मुखिया होता था और वही कुटुंब का प्रधान होता था। जबकि हड़प्पा सभ्यताओं में ऐसा कोई तर्क नहीं मिला। क्योंकि यूरोपीय इतिहासकारों या सिद्धांत प्रतिपादित करना था कि ब्रिटेन वीडियो की तरह आर्य भी भारत में बाहर से आए हैं इसलिए उन्होंने सेंधव सभ्यता को आर्यों के आक्रमण में नष्ट होने का मिथक गढा। बाकी विषय तो शोध और तरह-तरह के आयाम और विचारों से परिपूर्ण है नई तकनीक और शिक्षा विदित प्रधानों से होकर गुजरी यह सभ्यताएं हमें मूल स्वरूप तभी प्रदान कर पाएंगे जब इन पर और प्रामाणिक और पौष्टिक रूप से विचार विमर्श और तर्क किया जाए।

आलोक प्रताप सिंह
विचारक एवं विश्लेषक

देश में समतामूलक हो विकास का तंत्र

सुरेश सेठ

पिछले दशक में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में अभूतपूर्व तरक्की की है। दस वर्ष पहले भारत विश्व की दसवीं आर्थिक शक्ति था, आज पांचवीं हो गया। यह भी कहा जा रहा है कि दुनिया की चौथी औद्योगिक क्रांति का मूलाधार भारत होगा। इस विकास के साथ-साथ देश महामंदी से बच निकला है। उसकी आर्थिक विकास दर महाबली देशों के मुकाबले कहीं अधिक हो गई और हमारे विस्तृत बाजार की शक्ति देश में मांग की शक्ति बनकर न केवल घरेलू निवेश बल्कि विदेशी निवेश को भी अपनी ओर आकर्षित करने लगी। भारत दुनिया में चीन प्लस का विकल्प बनकर उभर रहा है। आज जहां देश में औद्योगीकरण और आधुनिकीकरण के बदलते तेवर नजर आ रहे हैं, वहां अंतरिक्ष क्षेत्र में भी उसकी और इसरो की उपलब्धियां इतनी स्पधार्योग्य हैं कि वे केवल छोटे देशों ही नहीं, अमेरिका और रूस जैसे बड़े देशों के लिए भी एक और प्रकाशस्तम्भ बनकर उभर रहा है।

विश्व आर्थिक मंच और सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन (सी4आईआर) में भारत के समावेशी विकास का संज्ञान लेते हुए उसके बदलते चेहरे की पहचान करने के लिए कहा है। मंच का कहना है कि इसका आधार बना है पिछले दो वर्ष से भारत की बजट नीति में परिवर्तन और प्रत्यक्ष सार्वजनिक निवेश का बढ़ना। भारत की बड़ी उपलब्धि है कि हमने अंतरिक्ष क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और उसे एक व्यावसायिक तेवर दे दिया है। भारत का सार्वजनिक ही नहीं बल्कि निजी क्षेत्र भी कमाई के नये क्षितिज खुलते हुए पा रहा है। छोटे देशों का उपग्रह प्रक्षेपण सस्ती दरों पर कभी भी न हो पाता, अगर भारत इस दिशा में कदम न बढ़ाता। अभी जो इसरो के नये प्रयोग हुए हैं, उसमें यात्रियों को अंतरिक्ष तक ले जाना, पर्यटन करवाना और सुरक्षा के साथ वापस ले आना भी शामिल है। अब अगला लक्ष्य पर्यटकों को चांद तक ले जाना और उन्हें वापस लाना है। दूसरी बात, ये प्रयोग किफायती दर पर हो रहे हैं। ठीक समय पर अपने अंतरिक्ष और सौर ग्रह अभियानों में निजी क्षेत्र के लिए द्वार खोल देना भी भारत की दूरदर्शी नीति का परिचायक है। दरअसल, इस समय भारत की सबसे बड़ी समस्या अंतर्राष्ट्रीय विनिमय क्षेत्र में अपनी मुद्रा के मूल्य को बढ़ाना और विदेशी मुद्रा की कमाई है। इस दिशा में हमने अपने प्रयास में धरती का विकास ही नहीं, अंतरिक्ष का व्यावसायीकरण भी शामिल कर लिया। इसके लिए नये अंतरिम बजट के बाद नई सरकार के जुलाई मास में आने वाले नये बजट में भी एक साझा बुनियादी ढांचा बनाने का संकल्प लिया गया है। देश में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है। इससे धरती और आकाश में उद्यमिता के मामले में तेजी आएगी।

नई आर्थिक नीति को निर्धारित करने के लिए जो रोडमैप बनाया जा रहा है, वह समावेशी आर्थिक उन्नति का रोडमैप है। इसमें देश को आयात आधारित अर्थव्यवस्था से बदलकर निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यहां यह बता दिया जाए कि यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक हम पक्के कदमों से आगे नहीं बढ़ते। अगर आलम यह हो कि ऊर्जा के लिए कच्चे तेल का 85 प्रतिशत आयात करना पड़े और देश को अगर कृत्रिम मेधा, चिप, सेमीकंडक्टर युग और रोबोटिक्स में आगे बढ़ाना है तो उसके लिए विद्युत के भारी उत्पादन की आवश्यकता मुखर हो तो ऐसे माहौल में केवल अभूतपूर्व प्रगति के संकल्पों के ज्ञान से ही काम नहीं चलेगा। ऊर्जा का वैकल्पिक उत्पादन देशभर में सोलर ऊर्जा के साथ-साथ परम्परागत पेट्रोलियम ऊर्जा के नये कुओं की तलाश में भी आगे बढ़ना होगा। आयल एंड नैचुरल गैस कमिशन की इस दिशा में लगातार चुप्पी परेशान करती है। इसके साथ ही जहां तक देश के कृषि क्षेत्र का संबंध है, तो उसमें भी लघु और कुटीर उद्योगों का विकास ग्रामीण और कस्बाई अंचलों में करना पड़ेगा। आज भी भारत की 50 प्रतिशत आबादी वहां रहती है। सवाल यह भी कि देश की कुल राष्ट्रीय आय में कृषि क्षेत्र का योगदान घटते हुए 17 प्रतिशत क्यों हो गया है? इस योगदान को तभी बढ़ाया जा सकता है जबकि लघु और कुटीर उद्योगों में बढ़ता निवेश नौजवानों को न केवल उपयोगी रोजगार दे बल्कि फसलों से तैयार उत्पादों को नया रूप देकर बाजार में सीधा लाये। बीच के मध्यजनों का हस्तक्षेप बंद करके उत्पादक और उपभोक्ता में सीधा संबंध पैदा करें।

आखिरी बात, नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के सबसे असमतावादी देशों में भारत भी शामिल हो गया है। गरीब और अमीर की खाई बढ़ गई है। वो पुराना सूत्र आज भी सही लगता है कि यह अमीरों की धरती है, यहां गरीबों की बहुतायत का अंत नहीं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता नियमन का हो संतुलित मार्ग

दिनेश सी. शर्मा

गूगल के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट जैमिनी को लेकर मचे हो-हल्ले ने इस तकनीक, इससे संबंधित नियामक तंत्र और सरकार की भूमिका को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर ध्यान खींचा है। एक व्यक्ति द्वारा इस चैटबॉट से प्रधानमंत्री और फासीवाद को लेकर पूछे सवाल का उत्तर शेयर करने के बाद सोशल मीडिया पर एआई टूल्स चर्चा का विषय बने हुए हैं। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने तुरत-फुरत कहा कि प्रधानमंत्री पर विशेष रूप से पूछे गए सवाल का जवाब पक्षपातपूर्ण है और यह आईटी कानून एवं अन्य कानूनों के मुताबिक गैर-कानूनी सामग्री को, माध्यम बने व्यक्तियों या प्लेटफार्म्स द्वारा शेयर करना, नियमों प्रावधानों का उल्लंघन है। मंत्री के इस उत्तर के बाद मंत्रालय का परामर्श प्रपत्र जारी हुआ, जिसमें कहा गया कि उपभोक्ता को अंडर-टेस्टिंग या गैर-भरोसेमंद एआई मॉडल्स एवं सॉफ्टवेयर मुहैया करवाने से पूर्व भारत सरकार से विशेष अनुमति लेना जरूरी होगा।

भारत में एआई और अन्य नवीनतम तकनीकों को लेकर नियामक तंत्र और व्यवस्था की अनुपस्थिति में, पहले मंत्री की प्रतिक्रिया और फिर परामर्श प्रपत्र जारी करने वाले उपाय को अधिक से अधिक, समस्या बनने पर आनन-फानन में किया जुगाड़भर कहा जा सकता है। नई-नई तकनीक से बनने वाली नवीन स्थितियों से निपटने को लेकर सरकारों का इतिहास खराब रहा है। तकरीबन आधा सदी पहले तकनीक विकास महानिदेशालय बनाया गया था। इसने विदेशी तकनीक की आमद पर एक अति शंकालु चौकीदार की भूमिका निभाई। यह विभाग 1960 के दशक में अमेरिकी कॉर्पोरेशनों द्वारा भारत में इलेक्ट्रॉनिकी का उत्पादन शुरू करने संबंधी अनुमतियों को खारिज करने के लिए उत्तरदायी है। जब 1980 के दशक में टेक्सास इंस्ट्रूमेंट नामक कंपनी ने बेंगलोर से सैटेलाइट्स के जरिए सॉफ्टवेयर निर्यात करना शुरू किया (उस वक्त यह एकदम नई चीज थी) तब भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने कहा कि जो कुछ भी भेजा जाए, उसका प्रिंटआउट जमा करवाया जाए, इस आधार पर कि कहीं राष्ट्र से संबंधित गुप्त सूचनाएं तो नहीं प्रेषित हो रही। प्रत्युत्तर में जो मिला, वह था 0 और 1 के रूप में बाइनरी इबारत से भरे कागजों का इतना बड़ा ढेर, जिससे कमरा भर जाए! वर्ष 1990 के दशक में, उद्योग मंत्रालय के एक बाबू ने वैक्सीन बनाने वाली एक कंपनी द्वारा लाइसेंस की अर्जी भारी उद्योग इंजीनियरिंग विभाग को विचारार्थ हस्तांतरित कर दी, क्योंकि उत्पादन विधि में ह्यजेनेरिक इंजीनियरिंगह्व प्रयुक्त किए जाने का जिक्र था! हमारी बाबूशाही की कार्यशैली को देखते हुए, कोई भी समझ सकता है कि गूगल, मेटा, एप्पल या ओपन एआई का भविष्य क्या होगा, जब वे अनुमति पाने में अपने एआई एलोरिदम का प्रिंटआउट आईटी मंत्रालय में बैठे बाबुओं को सौंपेंगे।

एआई को लेकर एकतरफा चलताऊ नीतिगत परामर्श प्रपत्र जारी करने की बजाय, नीतियां और नियामक धाराएं बनाने के विमर्श में, तमाम संबंधित पक्षों को शामिल करना जरूरी है। एआई पर विचार अब तक सिर्फ इसके बदलते स्वरूप या सामर्थ्य या नवोन्मेष एवं स्टार्टअप्स की तरक्की तक सीमित रहा है। उधर कंपनियां जितनी जल्दी हो सके, बाजार में नए-नए फीचर उतारना या फिर मौजूदा उत्पाद में नए फीचर डालना चाहती हैं। यदि उपभोक्ता को ऐसा मोबाइल फोन मिले, जिसमें इमेज रिकॉग्निशन सॉफ्टवेयर हो, तो जाहिर वह सेवा संबंधी शर्तों को पढ़ने की जहमत उठाए बिना इस्तेमाल करने को उतावला रहेगा। तकनीक ईजाद करने वाली कंपनियों को शिकायत है कि अतिशयी नियामक नियंत्रण उनके नवोन्मेष पर बुरा असर डालेगा। हालांकि जैमिनी वाले विवाद के बाद, संबंधित मंत्री ने साफ किया कि एआई पर जारी परामर्श नए स्टार्टअप्स पर लागू नहीं होगा।

एआई और विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता के मद्देनजर, इस किस्म का चलताऊ रास्ता लेना, व्यापक सवालों को दरकिनार करता है। सवाल है, क्या हमें ऐसी एप्लिकेशंस (सॉफ्टवेयर) की जरूरत है जिसका इस्तेमाल करना ही पड़े या फिर जरूरत महसूस हो (कुछ विशेषज्ञ इसको मनुष्य-केंद्रित एआई का नाम देते हैं) या फिर वैसी एप्लिकेशंस विकसित करने की आवश्यकता है, जो हमारे व्यवहार में बदलाव करती हो या मानवीय एवं सामाजिक नियमों को भंग करती हों? डर है कि यदि एआई टूल्स का डिजाइन अंतिम छोर के उपभोक्ता के संदर्भों को सोच में रखे बगैर किया जाता है, तो कदाचित यह विकास क्रिया उपभोक्ताओं को लेकर बनी त्रुटिपूर्ण सोच अथवा पक्षपाती अनुमानों पर आधारित होगी। नियामक तंत्र बनाने का विचार करते वक्त नैतिकता, सामाजिकता, निजता और पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। लोगों में एआई तकनीक पर यथेष्ट समझ बने बिना और बगैर गहराई में उतरे, अनेकानेक क्षेत्रों में इसको तेजी से अपनाया जा रहा है। यहां तक कि सरकारी एजेंसियां भी निजता, पारदर्शिता और लोगों के मूल अधिकारों को ताक पर रखकर एआई तकनीकें अपना रही हैं। उदाहरणार्थ किसान आंदोलन में निगरानी के लिए ड्रोन और फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक का इस्तेमाल करना।

तकनीक और नियामक तंत्र के बीच दौड़ में, साथ के साथ सुधार करने की नियामक तंत्र की गति अक्सर धीमी पाई जाती है। विश्वभर में सरकारें और नियामक संस्थान एआई की चाल से कदमताल बनाए रखने को हाथ-पैर मार रहे हैं। अमेरिका में, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एआई बाबत कार्यकारी आदेश जारी किया है, जिसमें ध्यान सुरक्षा, निजता और पक्षपात इत्यादि विषयों पर केंद्रित है। जोखिमों का प्रबंधन करने में यह आदेश पहले की अपेक्षा अधिक पारदर्शिता और टेस्टिंग, टूल्स का मानकों पर खरा उतरने की अनिवार्यता पर जोर देता है। इसमें नई तकनीक जारी करने से पहले सघन परीक्षण करने की सलाह है ताकि दुरुपयोग करने वालों के लिए किन्हीं खामियों या सुरक्षा संबंधी चूकों का दोहन करने की गुंजाइश न रहे। वह एआई मॉडल्स, जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरा बन सकता है, उनके निरापदता संबंधी परीक्षणों का परिणाम सरकार के साथ साझा करना होगा।

यूरोपियन यूनियन के एआई एक्ट में, जोखिम के स्तर के मुताबिक विभिन्न नियम रखे गए हैं। उच्च-जोखिम वर्ग में वे एआई एप्लिकेशंस हैं, जिनसे सुरक्षा या मूल अधिकारों पर नकारात्मक असर पड़ता हो। अस्वीकार्य जोखिम में वे आते हैं जिन्हें खतरनाक माना जाए और इनको किसी भी सूरत में अनुमति नहीं मिलेगी। इस वर्ग में, लोगों के बोध-व्यवहार को बदलने वाली या विशेष जोखिमजदा समूह, सामाजिक गिनती (आचार-व्यवहार अथवा आर्थिक सामर्थ्य इत्यादि पर) आधारित बायोमीट्रिक पहचान और नागरिकों का वर्गीकरण करना, वास्तविक समय में या फिर दूर बैठकर बायोमीट्रिक प्रणाली जैसे कि फेशियल रिकॉग्निशन इत्यादि एआई एप्लिकेशंस का उपयोग शामिल हैं। मौजूदा लोकप्रिय सामान्य उपयोग की और जेनेरिटिव एप्लिकेशंस जैसे कि चैटजीपीटी को भी पारदर्शिता आवश्यकताओं पर खरा उतरना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि इनसे गैर-कानूनी सामग्री और कॉपीराइट प्राप्त डाटा प्रकाशित न होने पाए। सीमित जोखिम वर्ग की एआई एप्लिकेशंस को भी अपेक्षाकृत नरम, किंतु पारदर्शी नियमों का पालन करना होगा।

सीएमओ ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत सभी सीडीपीओ को दिलायी शपथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 देश दिपक पाल अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के जनपदीय टास्क फोर्स अंतर विभागीय समन्वय जागरूकता हेतु मुख्य चित्साधिकारी अधिकारी सभागार कक्ष में समस्त सी0डी0पी0ओ एवं सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न की। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में 01 अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलाएं गॉव-गॉव एवं शहरो में जागरूक किया जाना है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत मुख्य रूप से सार्वजनिक भवनों, धार्मिक स्थलों व भीड़ भाड़ वाले स्थानों, सीएचसी, पीएचसी, ऑनगाबड़ी केन्द्र, विद्यालय आदि के आसपास नालियों की सफाई, झाड़ियां की कटाई, एंटी लार्वा का छिड़काव, फॉगिंग आदि से संबंधित क्रियाकलापों पर विशेष जोर दिए जाने के निर्देश सम्बन्धित को दिया। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देश दिये कि प्रत्येक गांव में एक सफाई कर्मचारी की ड्यूटी आवश्य तय की जाए एवं हर घर घर जागकर विशेष अभियान में शामिल कर रोग मुक्त किया जाय। उन्हे प्रेरित करे एवं आशा के साथ जिला अस्पताल जरूर लाये। उन्होंने पशु चिकित्साधिकारी को सूअर बाड़ो, अन्य पशु बाड़ो के आसपास सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर जलभराव न होने पाए, जहां पर भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो वहां एंटीलार्वा का छिड़काव किया जाए, संचारी रोग से संबंधित समस्त गतिविधियों के लिए एक ग्रुप बनाकर उसमें दिन प्रतिदिन होने वाले क्रियाकलापों की फोटोग्राफ्स डाली जाए, सभी क्षेत्रों में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जाय। कार्यक्रम के अन्त में सभी के द्वारा संचारी रोग नियंत्रण पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने शपथ भी दिलायी। बैठक में मलेरिया अधिकारी एवं समस्त बाल सी0डी0पी0ओ के साथ अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा को मिली शहर अध्यक्ष की कमान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के महासचिव के.सी. वेणु गोपाल ने पत्र जारी करके गाजीपुर के कार्यवाहक अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा को शहर अध्यक्ष की पूर्ण रूपेण कमान सौंप दी है, इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुनील राम को के सी वेणुगोपाल जी का एक आधिकारिक पत्र जारी हुआ है, जिसमे उत्तर प्रदेश में 21 जिलाध्यक्ष और शहर अध्यक्ष को कार्य प्रभार सौंपा गया है, जिसमें गाजीपुर शहर में अभी तक कार्यवाहक अध्यक्ष की भूमिका में ईमानदारी और लगन से पार्टी की नीतियों के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित संदीप विश्वकर्मा को शीर्ष नेतृत्व ने पूर्ण रूपेण शहर अध्यक्ष बना दिया है। इस अवसर पर गाजीपुर कांग्रेस पार्टी में पदाधिकारियों और कार्यकताओं में खुशी और उत्साह है। सभी ने शहर कांग्रेस कैंप कार्यालय सकलेनाबाद में शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा को फूल माला पहना कर, मिठाई खिला कर खुशी का इजहार किया, संदीप विश्वकर्मा ने शीर्ष और प्रदेश नेतृत्व के साथ सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया है उन्होंने कहा है कि लोकसभा चुनावों के ऐन पहले कांग्रेस पार्टी शीर्ष नेतृत्व के इस फैसले के बाद उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है और वे कांग्रेस पार्टी की नीतियों के साथ सदैव ईमानदारी

से कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से एआईसीसी सदस्य रविकांत राय डॉक्टर जनक कुशवाहा अजय कुमार श्रीवास्तव ज्ञान प्रकाश सिंह मुन्ना, आशुतोष गुप्ता, दिव्यांशु पांडे, लाल मोहम्मद, हामिद अली, सतीश उपाध्याय, रईस अहमद, उषा चतुवेर्दी, कुसुम तिवारी, शबीहूल हसन, आदिल अख्तर झुन्ना शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान में कृषि सखी का 5 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान पर दिनांक 28 मार्च से 1 अप्रैल तक कृषि सखी का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ उक्त प्रशिक्षण मे विकास खंड जखनिया करंडा एवं मनिहारी के प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण मे प्रतिभाग किया ' प्रशिक्षण का शुभारम्भ संस्थान के आचार्य पंकज श्रीवास्तव एवं उपायुक्त स्वतः रोजगार गोपाल कृष्ण चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया ' इस अवसर पर आचार्य ने प्रशिक्षुओ को प्रशिक्षण की महत्ता को बताया ' इस प्रशिक्षण के सत्र प्रभारी राधा रमण प्रसाद प्रसार प्रशिक्षण अधिकारी एवं सहायक प्रभारी आनंद श्रीवास्तव के संयुक्त सहयोग से प्रशिक्षण सकुशल सम्पादित किया गया ' कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक एवं मास्टर ट्रेनर ने 5 दिन रहकर ट्रेनीस को प्राकृतिक

खेती से सम्बंधित जानकारिया दी ' प्रशिक्षण मे सहयोगी के रूप मे संजय मौर्य प्रचार सहायक का योगदान सराहनीय रहा। प्रशिक्षण के समाप्ति पर आचार्य द्वारा प्रतिभागियों एवं सहयोगी कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त किया गया।

युवक को मारपीट कर किया घायल, केस दर्ज

तेजीबाजार (जौनपुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के राजकुमार गुप्ता निवासी तेजीबाजार ने थाने में तहरीर देकर बताया कि मेरा चचेरा भाई सूजल पुत्र अशोक गुप्ता जो मार्केट से पनीर लेकर घर वापस आ रहा था कि राजा के दुकान के सामने पहुंचा तो पहले से मौजूद प्रद्युम्मन पुत्र वंशराज जायसवाल, आकाश उर्फ अण्डू पुत्र ठेगा उर्फ रमाशंकर रजक, नितेश पुत्र वंशराज जायसवाल, आदर्श पुत्र संजय हरिजन जो प्रार्थी के चचेरे भाई को देखें, रोककर गाली- गुप्ता देने लगे मना करने पर, लात मूका व डंडा से मारने लगे, शोर पर बीच-बचाव करने मेरे चाचा पूनीत व अशोक गुप्ता पहुंचे तो उन्हें भी मारने-पीटने लगे जिससे मौके पर मेरे चचेरे भाई व चाचा सूजल व पूनीत व अशोक को चोटें आयी है उपरोक्तगण जाते समय जान से करने की धमकी देते हुए चले गए। ऐसे में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

भाजपा रामनगर मंडल ने मतदान केंद्र स्तर पर किया मोदी का परिवार टिफिन बैठक के कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर रामनगर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर में आज रविवार शाम 6:00 बजे नगर के मतदान केंद्र स्थल के स्तर पर मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में 14 स्थानों पर टिफिन बैठक का कार्यक्रम का आयोजन मतदान केंद्र प्रभारी एवं पालक के विस्तार के माध्यम से किया गया। जिसमें रामनगर के सुल्तानपुर भीटी, भगवानपुर सहित 14 मतदान केंद्र स्थल है जहां पर टिफिन बैठक का कार्यक्रम सकुशल आयोजन किया गया जिसमें देश के यशश्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी लगातार अपने बूथ स्तर के कार्यकताओं से संपर्क में रहकर बूथ अध्यक्ष एवं शक्तिकेन्द्र संयोजक तथा जिला पदाधिकारियो से बात करते रहे । जिसमे उन्होंने उनके कुशल छेम जानने के साथ साथ लोकसभा में हुए विकास के बारे में चर्चा करते हुए उनसे चुनाव

से संबंधित आगे के रणनीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त किया । जिससे कार्यकताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महानगर मंत्री डॉ अनुपम गुप्ता नंद लाल चौहान अशोक जायसवाल प्रशांत सिंह प्रीति सिंह विमलेश सिंह अमित सिंह 'चिंटू' मोनिका यादव लल्लन सोनकर कामता पांडेय,मान सिंह अभिषेक कुमार सिंह राजेंद्र सिंह पटेल प्रभुनाथ गुप्ता सर्वेंद्र विक्रम सिंह अन्नपूर्णा मौर्य राम इकबाल संतोष श्रीवास्तव सुजीत कुमार डे सुरेंद्र श्रीवास्तव विनोद पटेल पंकज बारी भूपेंद्र शाहू अर्जुन शर्मा सुनील सिंह श्याम सेठ अविनाश सिंह कंचन निषाद आदित्य शाश्वत देवेंद्र प्रताप संजय वाल्मीकि राजेश गुप्ता बबलू साहनी हंसराज यादव।

वाराणसी में दो दिवसीय युवा शिविर संपन्न

आज के युवा ही भावी रामराज्य के आधार स्तंभ होंगे ! - श्रीमती प्राची जुवेकर, सनातन संस्था

प्रखर वाराणसी। पूरे विश्व में युवाओं की सर्वाधिक संख्या भारत में है । ये युवा ही भारत की शक्ति हैं । आवश्यकता है तो इस युवा शक्ति को योग्य मार्ग दिखाने की। शारीरिक, मानसिक स्तर के साथ-साथ आध्यात्मिक स्तर पर भी युवा सुदृढ हों, इस दृष्टि से सनातन संस्था के 25 वर्ष होने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश, बिहार, चंडीगढ के युवाओं के लिए दो दिनों का युवा शिविर का आयोजन यहां के आशापुर स्थित जय मंगल सभागृह में किया गया । इस शिविर में उपस्थित युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए सनातन संस्था की श्रीमती प्राची जुवेकर ने कहा कि वर्त्तमान काल में अपने धर्म की शिक्षा तथा खरा इतिहास न पढाए जाने के कारण युवाओं में धर्म तथा राष्ट्रप्रेम की भावना अल्प है । वे अलग-अलग समस्याओं जैसे - घटती एकाग्रता, तनाव, असफलता का भय, निराशा, चिंता, तुलना करना, हीन भावना, मोबाइल पर समय गंवाना इत्यादि से पीडित हैं । चूंकि हमारे जीवन में 80 % समस्याओं का मूल कारण आध्यात्मिक होता है , इसलिए कालानुसार योग्य साधना कर आप युवा भी अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं । अतः व्यष्टि साधना के विविध प्रयास जैसे नामजप, प्रार्थना, कृतज्ञता, भावजागृति के प्रयास, व्यक्तित्व विकास हेतु स्वभाव दोष निर्मूलन के प्रयास करने आवश्यक हैं । इसके साथ ही समय का नियोजन, गुण संवर्धन, कौशल्य विकास इत्यादि के लिए प्रयास कैसे कर सकते हैं, इसके संदर्भ में उन्होंने युवाओं को जानकारी दी । इस शिविर में सम्मिलित युवाओं ने अपने मनोगत में बताया कि शिविर में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। उन सभी ने बताए गए सूत्रों को आचरण में लाने का प्रयास करने का निर्धारण भी किया ।

तहसील मुख्यालय सहित आधा दर्जन गांवों को मिलेगी निर्वाध बिजली

सकलडीहा। कस्बा स्थित तहसील उपकेंद्र से सकलडीहा तहसील मुख्यालय सहित छह गांवो की बिजली आपूर्ति की जाती है। निर्वाध आपूर्ति हो सके इसलिए रविवार को उपकेंद्र के दोनों फीडरों का टाली व पैनल बदलने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य मे दर्जनो बिजली कर्मी लगे है। विभाग के मुताबिक इस वीसीबी पैनल के बदलने से बार-बार की होने वाली फाल्ट पर रोक लगेगी। जिससे आगामी दिनों में पड़ने वाली गर्मी में 3000 उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। हालांकि पैनल बदले जाने के कारण करीब दस घंटा से अधिक समय से आपूर्ति ठप रहा। सकलडीहा तहसील उपकेंद्र से कुल दो फीडर संचालित है। इनदोनो फीडरों से कुल छह गांव सकलडीहा, ताजपुर, तेंदुई, दुगार्पुर, नागेपुर, टिमिलपुर के करीब 3000 उपभक्ताओ को बिजली सप्लाई की जाती है। बीते कई महीने से वीसीबी पैनल पुराना हो जाने के कारण तकनीकी खराबी आती रहती थी।

स्वावलम्बी महिला व्यापार संगठन द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

प्रखर वाराणसी। स्वावलम्बी महिला व्यापार संगठन द्वारा 'होली मिलन समारोह 1अप्रैल सोमवार को सिद्धगीरी बाग सिगरा में सम्पन्न हुआ प्रारम्भ में मुख्य अतिथि विदुषी मीना मिश्रा (बनारस घराने की शास्त्रीय गायिका) व डॉ० सरिता त्रिपाठी (संस्थापिका / अध्यक्ष स्वावलम्बी महिला व्यापार संगठन) ने दीप प्रज्जवलन कर समारोह का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ० सरिता त्रिपाठी संचालन मंजू गौतम एवं धन्यवाद निति भटनागर ने किया` कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाये, फूलों की होली खेलने के साथ-साथ होलियाने गीतों पर जमकर नृत्य किया` सुजाता ने 'मुरली की धुन सुन राधिके, रजनी ने छम्मा छम्मा, जान्हवी ने जोगीरा सारारारा, कुसुम ने रंग बरसे, प्रियांशू ने बलम पिचकारी, ऋचा ने जोरी रे वाह वाह व माण्डवी-साम्भवी ने जुगल नृत्य करके समा को बाँध दिया व समारोह में चार चाँद लगा दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मधु, सोनी, कंचन, वन्दना, डॉ० गीता, डॉ० राखी, डॉ० ममता टंडन, डॉ० संगीता, रेखा, साधना, विनीता, ज्योत्सना, वीणा, तनू, हेमलता, लवली, मीरा, चिन्ता, गोदावरी, पूनम, गरिमा, पूजा, रागीनी, रजनी शर्मा, तारा, डॉ० नम्रता, नूतन, रुबिना, ममता आदि महिलाओं ने भाग लिया।

वेलफेयर उत्सव में जमुना राजभर को मिला स्व. चंद्रिका प्रसाद पर्यावरण सम्मान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को वेलफेयर क्लब के तत्वाधान में 27वें वेलफेयर उत्सव एवम पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन रामदूत इंटरनेशनल स्कूल मिश्रवलिया रौजा के सभागार में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ0 हरिकेश सिंह पूर्व कुलपति छपरा विश्वविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि डा0 स्वतन्त्र देव सिंह डायरेक्टर मां कवलपति हॉस्पिटल, डा0 डी पी सिंह डायरेक्टर रामसखी मेमोरियल सेवाश्रम हॉस्पिटल, राजेश्वर सिंह प्रबन्धक गौरी शंकर पब्लिक स्कूल तथा समारोह अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव प्रबन्धक रामदूत इंटरनेशनल स्कूल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने संबोधन में डा0 हरिकेश सिंह ने कहा कि कर्तव्य निष्ठा व इमानदारी से कराए गए समाज सेवा की प्रशंसा करते हुए कहा वारफेयर से निकलकर समाज में वेलफेयर का काम इस संस्था ने किया है। समुद्र मंथन के समय जो दानवों ने विष के रूप में वारफेयर किया उसे अमृत के रूप में वेलफेयर का काम गाजीपुर की इस संस्था ने किया। क्लब की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष रिंकू यादव

को दिव्यांग शक्ति बताते हुए कहा कि क्लब ने दिव्यांग को अध्यक्ष बनाकर महिला सशक्तिकरण का मजबूत उदाहरण पेश किया है। विशिष्ट अतिथि डा0 स्वतंत्र देव सिंह ने इतने बड़े पैमाने पर बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए क्लब के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सभी पदाधिकारियों को साधूवाद दिया। अपने संबोधन में डा0 डी पी सिंह ने पुरस्कार के लिए चयनित बच्चों को बधाई देकर कहा कि अपने लक्ष्य तक सफलता पूर्वक पहुंचने के लिए प्रतियोगिता ही मजबूत आधार है। क्लब द्वारा जनपद भर में आयोजित सामान्य ज्ञान, गणित, मेंहदी, निबंध, चित्रकला, वाद-विवाद, आवाज की आगाज गायन तथा शास्त्रीय व लोकनृत्य नृत्य प्रतियोगिता में चयनित कुल 527 पुरस्कारो का वितरण किया गया। साथ ही प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जिले के 25स्कूल को सम्मानित किया गया।पुरस्कार वितरित करने वाले अतिथियो में विनीत सिंह, विशाल पांडे, अतीश श्रीवास्तव, अर्चना राय, डा0 पूजा श्रीवास्तव, आदित्य कुशवाहा, श्रीमती ज्योती श्रीवास्तव, राघवेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे। पुरस्कार वितरण के बीच बिच में गायन और नृत्य प्रतियोगिता में चयनित एडुरेंन ग्लोबल स्कूल, गणेशा डांस एकेडमी तथा डी ड्रीम्स क्लासेज के बच्चो ने अपनी प्रस्तुति देकर सभा कक्ष में उपस्थित जनों को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया जबकि विशेष पुरस्कार के लिऐ चयनित रामदूत इंटरनेशनल स्कूल के हारर ग्रुप के बच्चो की प्रस्तुति ने कुछ पल के लिऐ दर्शको मे दहशत में डाल दिया। समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान हेतु समाजसेवी कुंवर वीरेंद्र सिंह तथा प्रियंका सिंह को समाजसेवा सम्मान तथा जमुना राजभर को स्व0 चंद्रिका प्रसाद स्मृति पर्यावरण संरक्षण सम्मान अंगवस्त्र तथा प्रशस्ति पत्र दिया गया। अतिथियों का स्वागत जनपद गवर्नर पवन कुमार पांडेय, सचिव अभिषेक सिंह, पीआरओ सुर्य रेख मणि महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा सुषमा यादव ने किया। अतिथियो को स्मृति चिन्ह क्लब महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा श्रीमती रिंकू यादव, क्लब उपाध्यक्ष धीरेन्द्र त्रिपाठी तथा क्लब आय व्यय निरिक्षक डा0 जितेन्द्र कुमार तथा संयुक्त सचिव रामनाथ कुशवाहा ने दिया। इस अवसर पर क्लब की प्रतियोगी परीक्षाओं के कुशल सम्पादन के लिए ओझस कोचिंग के छात्रों को सम्मानित किया गया।

गायन और नृत्य प्रतियोगिता में चयनित एडुरेंन ग्लोबल स्कूल, गणेशा डांस एकेडमी तथा डी ड्रीम्स क्लासेज के बच्चो ने अपनी प्रस्तुति देकर सभा कक्ष में उपस्थित जनों को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया जबकि विशेष पुरस्कार के लिऐ चयनित रामदूत इंटरनेशनल स्कूल के हारर ग्रुप के बच्चो की प्रस्तुति ने कुछ पल के लिऐ दर्शको को दहशत में डाल दिया।

क्लब उपस्थित जनों के लिए लकी ड्रा की व्यवस्था की गई थी जिसके अंतर्गत हर आधे घंटे पर लकी ड्रा निकालकर भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कार दिया गया जिसमे वॉटर बॉटल, लंच बॉक्स, इलेक्ट्रिक प्रेस, टेबल लैंप, सीलिंग फैन, मिक्सर, कीपैड टच स्क्रीन फोन, तथा मेगा ड्रा एंड्रॉयड फोन रहा।

इस अवसर पर सत्य प्रकाश तिवारी, काजल शर्मा, विनोद मिश्र, साहित्य चेतना समाज के संस्थापक अमर नाथ तिवारी, अध्यक्ष डा0 रविनंदन वर्मा, सचिव हीराराम गुप्ता, संयुक्त सचिव प्रभाकर त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। अन्त में क्लब अध्यक्ष डा0 शरद कुमार वर्मा ने सभी का अभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

सीएचसी बृजमनगंज पर संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक पखवाड़ा का किया गया शुभारंभ

प्रखर महराजगंज। जनपद महराजगंज के सीएचसी बृजमनगंज पर संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक पखवाड़ा का जिला विधालय निरिक्षक अमरनाथ राय द्वारा फीता काटकर किया गया शुभारंभ।यह अभियान उत्तर प्रदेश सरकार एवं स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 1अप्रैल 2024 से 30अप्रैल2024 तक प्रदेश भर में मनाया जाएगा।अभियान को सफल बनाने के लिए डीआईओएस व नगर पंचायत अधिकारी ईओ सुरभि मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया।प्रभारी चिकित्साधिकारी सुशील कुमार गुप्ता ने बताया कि एएनएम एवं आशा के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जागरूक करने का कार्य स्वास्थ्य विभाग एवं नगर पंचायत मिलकर करेंगे।जहां मच्छर होगे वहां छिडकाव कराया जाता हैं।अपने घरों के आस पास साफ सफाई रखें।नालियों गंदगी न जमा होने दे।मच्छरदानी का प्रयोग करें।इस दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी सुशील गुप्ता, ईओ सुरभि मिश्रा,एडीओ पंचायत गुलाब पाठक, बीसीपीएम विनोद कुमार, गणेश सिंह, अनवर,फार्मासिस्ट मकबूल अहमद, संतोष फार्मासिस्ट ममता जायसवाल,देवेंद्र कुमार, एएनएम शोभा देवी, स्टाफ नर्स नीतू,विदूषी, परमीला, कांउसिल र प्रतिमा त्रिपाठी, आशा रानी, राजेश्वरी, नूरजहां, रीता प्रदीप मणि सहित सैकड़ों आशा एएनएम मौजूद रही।

काशी विद्यापीठ में अन्तर्महाविद्यालयीय नेटबाल (महिला) का ट्रायल तीन अप्रैल को

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में अन्तर्महाविद्यालयीय नेटबाल (महिला) का ट्रायल/प्रतियोगिता 03 अप्रैल, 2024 को दोपहर 12 बजे से विश्वविद्यालय के पं. जवाहर लाल नेहरू क्रीड़ांगन में अयोजित है। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों सहित विश्वविद्यालय परिसर, एन.टी.पी.सी., गंगापुर परिसर एवं भैरव तालाब परिसर के संस्थागत छात्राएं प्रतिभाग कर सकती हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि इच्छुक छात्रा अपने इलिजिबिलिटी प्रोफार्मा के साथ हाईस्कूल अंक पत्र व प्रमाण पत्र, इण्टरमीडिएट अंक पत्र व प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्र, फीस रसीद, आधार कार्ड तथा कोविड-19 के टीकाकरण की छाया प्रति को प्रोफार्मा के साथ संलग्न करते हुए चार पासपोर्ट साईज फोटो के साथ नेटबाल प्रभारी कु. बीना से संपर्क कर सकती हैं।

धनंजय सिंह मामले में होने वाली सुनवाई टली

प्रखर प्रयागराज। पूर्व सांसद धनंजय सिंह की क्रिमिनल अपील पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज भी समय की कमी के चलते सुनवाई नही हो पाई। अब अगले हफ्ते में सुनवाई हो सकती है। धनन्जय सिंह को जौनपुर एमपी एमएलए कोर्ट ने अपहरण और रंगदारी मांगने के मामले में सात वर्ष की कठोर कारावास की सजा दी है। सजा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में धनंजय सिंह ने याचिका दाखिल की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस संजय सिंह की सिंगल बेंच याचिका पर सुनवाई होगी। यह खबर मिलने के बाद पूर्व सांसद के समर्थकों में मायूसी छा गई है। मालूम हो कि 10 मई 2020 को जौनपुर के लाइन बाजार थाने में नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल के अपहरण, रंगदारी मांगने, धमकाने और आपराधिक साजिश के मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह व संतोष विक्रम के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इस आरोप को सही पाते हुए एमपी एमएलए कोर्ट ने बीते छह मई को सात वर्ष की कठोर कारावास और डेढ़ लाख रुपए जुमार्ना लगाया है। जौनपुर एमपी-एमएलए के स्पेशल जज की कोर्ट के फैसले के खिलाफ धनंजय सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. कोर्ट के फैसले को जेल में बंद धनंजय सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

दिलदारनगर पुलिस ने नाजायज तमंचा व कारतूस संग अभियुक्त को लिया फंदे में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी जमानियां व प्रभारी निरीक्षक थाना दिलदारनगर के कुशल पर्यवेक्षण में उप निरीक्षक मनोज तिवारी मय हमराह मुखबीर की सूचना पर भक्सी नहर पुलिया के पास से अभियुक्त हसीब खान पुत्र तौहीद खाँन निवासी ग्राम दिलदारनगर गाँव थाना दिलदानगर जनपद गाजीपुर को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से एक अदद देशी नाजायज तमन्चा .315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। बरामदगी के सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 48/24 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम हसीब खाँ उपरोक्त के विरूद्धपंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज तिवारी थाना दिलदारनगर, कांस्टेबल शिवम कुमार थाना दिलदारनगर जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

बीआरसी परिसर में सेवानिवृत शिक्षकों को दी गई विदाई

सकलडीहा ।अपने जीवन की अमूल्य वर्ष नौनिहालों की भविष्य को उज्वल बनाने में न्यौछावर करने वाले शिक्षकों को सेवानिवृत होने पर भावभीनी विदाई दी गई। जहां अपनी कार्यकाल पूर्ण करने वाले शिक्षकों को परिषदीय विद्यालयों से लेकर अन्य शिक्षकों द्वारा माला फूल के साथ अंग वस्त्र देखकर विदाई देने का कार्य किया गया। वही विदाई समारोह में उपस्थित शिक्षकों व सेवानिवृत हो रहे शिक्षकों द्वारा कार्यकाल के दौरान हुए कार्यों पर चर्चा करते हुए सभी के जीवन के मंगल कामना की गई। वही सेवानिवृत हो रहे शिक्षक द्वारा इस विदाई समारोह का आयोजन करने वाले शिक्षकों को धन्यवाद दिया गया।

अपना दल एस की मासिक बैठक में चुनाव पर चर्चा

महराजगंज (जौनपुर) ।स्थानीय विधानसभा बदलापुर के क्षेत्रीय कार्यालय महराजगंज में अपना दल एस की मासिक बैठक संपन्न हुई जिला उपाध्यक्ष सुशील सिंह के नेतृत्व में विधानसभा अध्यक्ष राज नारायण पटेल की अध्यक्षता में सर्वसम्मति फैसला लिया गया कि सभी नए पुराने कार्यकर्ता एकजुट होकर प्रचार प्रसार के माध्यम से जनता को सरकार की उपलब्धियां बताना है और तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कि केंद्र में सरकार बनाना है ।आह्वान करते हुए से कहा गया कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी नीतियों को जनता के बीच में उपलब्धियां बताए।

धर्म परिवर्तन की सूचना पर पहुंची पुलिस, तीन हिरासत में

बदलापुर (जौनपुर)। बदलापुर तहसील क्षेत्र के कम्मरपुर गांव में रविवार को धर्म परिवर्तन कराने की सूचना पर पुलिस पहुंची। पुलिस वहां से तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मौके पर धार्मिक पुस्तक समेत कई अन्य सामग्री बरामद की है। जानकारी के अनुसार, कम्मरपुर गांव निवासी मोनू गौतम के यहां प्रत्येक रविवार को ईसाई धर्म की प्रार्थना सभा होती है। मौके पर बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे तो वहाँ प्रार्थना सभा चल रही थी। कार्यकताओं ने इसकी सूचना पुलिस को सूचना दी और आरोप लगाया कि प्रार्थना सभा में लोगों को गुमराह कर धर्म परिवर्तन कराया जाता है। यह भी सूचना थी कि प्रार्थना सभा मे प्रार्थना करने से असाध्य रोग ठीक हो जाता है, इसका दावा किया जाता है।

बचे हुए भोजन को खाना
गलत नहीं लेकिन उसे सुरक्षित रखना है जरूरी

लेस्टर (द कन्वरसेशन)। बचे हुए भोजन को इस्तेमाल करना बचत, व्यंजनों में विविधता और भोजन की बर्बादी को कम करने का शानदार तरीका हो सकता है। मगर बचा हुआ भोजन खाना खतरनाक भी हो सकता है, क्योंकि यह जीवाणु के संपर्क में भी आ जाता है। अगर बचे हुए भोजन को सही तरीके से नहीं रखा और सही तरीके से गर्म नहीं किया तो विषाक्त भोजन की चपेट में आने का खतरा रहता है , जो जानलेवा भी हो सकता है। इसका मतलब यह नही है कि आप बचे हुए भोजन को खाना छोड़ दें। खाने को ठीक रखने के लिए सही तरीकों का पालन कर आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जब आप बचा हुआ भोजन करें तो आप सुरक्षित रहें।

बचे हुए भोजन को कितनी जल्दी फ्रिज में रखा जाए?

दुनिया में जीवाणु हर जगह मौजूद है, जिनमें रसोई और उनके भीतर रखे खाद्य पदार्थ भी शामिल है। भोजन को खराब करने वाले जीवाणु पोषक तत्वों, नमी और तापमान के साथ तेजी से बढ़ सकते है। कुछ की संख्या 20 मिनट में दोगुनी हो जाती है। यह अहम है कि बचे हुए खाने को यथाशीघ्र और अधिकतम दो घंटे के अंदर फ्रिज या फ्रीजर में रख देना चाहिए। समय को लेकर दी गई यह सलाह इस बात पर आधारित है कि फ्रिज के बाहर के तापमान पर भोजन में जीवाणु कितनी तेजी से बढ़ सकते है और इसका मतलब है कि बचे हुए खाने को पांच डिग्री सेल्सियस से ज्यादा के तापमान पर अधिक समय तक छोड़ा गया तो यह सेवन के लिए कम सुरक्षित हो जाता है। आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बचे हुए भोजन को अच्छी तरह से ढका जाए। भोजन को ढकने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्लास्टिक की पन्नी या 'एयरटाइट' ढक्कन से खाने को ढकना चाहिए जो भोजन को हवा के संपर्क में आने से रोकता है।

फ्रिज में रखा भोजन को कब तक खाना सुरक्षित है

अपने फ्रिज को शून्य से पांच डिग्री के बीच के तापमान पर रखें, क्योंकि इतना तापमान बचे हुए भोजन में ऐसे जीवाणुओं को पनपने से रोकता है जो खाद्य विषाक्तता का कारण बनते है। बचे हुए खाने को दो दिन के अंदर खा लेना चाहिए, क्योंकि इसके बाद हानिकारक जीवाणु को पनपने का समय मिल जाता है। दरअसल, लिस्टेरिया जैसे रोगाणु फ्रिज के तापमान में भी पनप सकते है और दो दिन से अधिक वक्त के बाद इनके बढ़ने की अधिक संभावना है इसीलिए आपको बचे हुए खाने को रखने के लिए यह समय सीमा दी गई है। अगर आपको नही लगता कि आप उस समय सीमा में अपना बचा हुआ भोजन खा लेंगे, तो खाने को जमाने पर विचार करें। बचे हुए खाने को शून्य से 18 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान पर जमाकर तीन महीने तक रखा जा सकता है। जब आप बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करते है, तो आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भोजन पूरी तरह गर्म हो। अगर ऐसा नही हो तो भोजन न खाएं। बचे हुए खाने को इतना गर्म किया जाना चाहिए कि खाने के अंदर का तापमान कम से कम 74 डिग्री सेल्सियस हो जाए। चटनी, सूप और ग्रेवी (तरी) को कम से कम तीन मिनट तक हिलाते हुए पूरी तरह उबालना सबसे अच्छा है।

क्या आप बचे हुए भोजन को एक से अधिक बार गर्म कर सकते हैं

आपको बचे हुए भोजन को एक से अधिक बार गर्म नही करना चाहिए। खाना जब भी गर्म होता है और ठंडा होता है, तो यह किसी भी हानिकारक जीवाणु को फिर से पनपने के लिए सही तापमान और आवश्यक समय प्रदान करता है।इसके बाद अगली बार जब आप बचे हुए भोजन को फिर गर्म करेंगे तो सभी रोगाणुओं को मारना कठिन हो जाएगा। अगर आपको नही लगता कि आप दो दिन में अपना सारा बचा हुआ खाना खा लेंगे, तो उसे फ्रीजर में जमा दें।

मधुर भंडारकर
थाईलैंड में ले रहे छुट्टियों का आनंद

मुंबई (आईएएनएस)। फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर ने थाईलैंड में अपने ट्रेवल लाइफ की झलक शेयर करते हुए कहा है कि वह 'द लैंड ऑफ स्माइल्स' का आनंद ले रहे हैं। मधुर ने रविवार को एक्स पर थाईलैंड में बाजार से अपनी तस्वीर साझा की। फिल्म निर्माता सफेद कपड़े पहने हुए हैं और धूप के चश्मे के साथ अपना लुक पूरा किया है। 'फैशन' निर्देशक कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराते हुए तस्वीरें खिंचवाने के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। कैप्शन के लिए, उन्होंने लिखा, बैंकॉक, थाईलैंड में डूबा हुआ। यात्रा जीवन, थाईलैंड वाइब्स। मधुर को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। उन्हें सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

सोनू सूद
ने 'फतेह 'को अब तक का सबसे शानदार अनुभव बताया

मुंबई(आईएएनएस)। सोनू सूद अपनी आने वाली फिल्म 'फतेह ' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसे उन्होंने एक जबरदस्त एक्शन फिल्म बताया है। अभिनेता ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए अभिनेता और निर्देशक के रूप में अब तक के सबसे संतुष्टिदायक अनुभवों में से एक रही है। सोनू ने एक्स पर फिल्म से दो मोनोक्रोम तस्वीरें साझा कीं। 'फतेह ' से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे अभिनेता ने वादा किया कि फिल्म में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने लिखा, मैं कई सालों से फिल्में कर रहा हूं। सर्वश्रेष्ठ के साथ काम करने का सौभाग्य मिला। लेकिन हमेशा ऐसा महसूस होता था कि एक एक्शन फ्रेंचाइजी बनाई जाए जिस पर हम सभी को गर्व हो। एक ऐसी एक्शन फिल्म जो अब तक की बेस्ट हो। एक अभिनेता और निर्देशक के रूप में 'फतेह ' अब तक का सबसे संतुष्टिदायक अनुभव रहा है।

बिग बी ने बंगले के बाहर
प्रशंसकों के बीच 'जलसा' की तस्वीर साझा की

मुंबई(आईएएनएस)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने रविवार को सोशल मीडिया पर फैन्स से अपनी मुलाकात के पलों की तस्वीरें साझा की। अमिताभ ने एक्स पर मुंबई में अपने घर से तस्वीर साझा की है, जहां हर रविवार उनके प्रशंसक सिने-आइकॉन की झलक पाने के लिए आते हैं। तस्वीर में स्टार की पीठ कैमरे की ओर है और प्रशंसक अपने सुपरस्टार को देखने के लिए उनके घर जलसा के गेट के बाहर खड़े हैं। अमिताभ कुर्ता पायजामा पहने एक शॉल लपेटे दिख रहे हैं और अपने प्रशंसकों की ओर हाथ हिला रहे हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, जलसा का द्वार। बिग बी ने अपनी एक और तस्वीर साझा की और लिखा, प्रत्याशा प्यार स्नेह और निरंतरता का रविवार। जलसा के द्वार पे, स्नेह भरा दृश्य है; 1982 से अबतक, मेरी कृतज्ञता स्वरूप है। अभिनेता हर रविवार अपने घर के बाहर प्रशंसकों से मिलते हैं। उनकी आने वाली फिल्मों की बात करें तो बिग बी जल्द ही 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आएंगे, जिसमें कमल हासन, प्रभास और दीपिका पादुकोण भी हैं।

'गदर 2' के बाद अनिल शर्मा की 'जर्नी' में नजर आएंगे रूमी खान

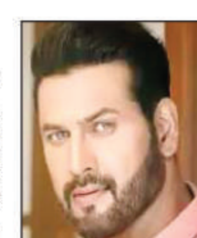

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता रूमी खान, जिन्हें आखिरी बार 'गदर 2' में देखा गया था, आगामी फिल्म 'जर्नी ' में एक बार फिर निर्देशक अनिल शर्मा के साथ काम करेंगे। इस फिल्म में उत्कर्ष शर्मा और नाना पाटेकर भी हैं। फिल्म में रूमी उत्तर प्रदेश के एक पुलिसकर्मी की भूमिका में नजर आएंगे। रूमी ने कहा, मैं 'गदर 2' के बाद निर्देशक अनिल शर्मा और उनके बेटे उत्कर्ष शर्मा के साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। अनिल के मार्गदर्शन में काम करना हमेशा सुखद होता है। फिल्म के हीरो उत्कर्ष प्रतिभाशाली अभिनेता हैं। इसके अलावा, मैं नाना पाटेकर का बहुत बड़ा फैन हूं और उन्हें स्क्रीन पर देखकर मैंने बहुत कुछ सीखा है।

विशाल भारद्वाज की फिल्म अर्जुन उस्तारा में काम करेंगे
कार्तिक आर्यन !

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता कार्तिक आर्यन निर्देशक विशाल भारद्वाज की थ्रिलर फिल्म अर्जुन उस्तारा में काम करते नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि कार्तिक आर्यन ने विशाल भारद्वाज के साथ एक थ्रिलर फिल्म को लेकर बातचीत की है। यह एक थ्रिलर फिल्म होगी। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस करने वाले है। विशाल कोरोना महामारी से पहले इस फिल्म को बनाने वाले थे, लेकिन कई मुद्दों के चलते उन्होंने कुछ समय के लिए इस फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। विशाल भारद्वाज पहले इरफान खान के साथ यह फिल्म बनाने वाले थे। कहा जा रहा है कि फिल्म अर्जुन उस्तारा को विदेशों में बड़े स्केल पर शूट किया जाएगा। फिल्म की ज्यादातर शूटिंग स्पेन और ग्रीस में की जाएगी। इस फिल्म का बजट करीब 150 करोड़ के आसपास होगा।

सोनाक्षी
ने की विशाल मिश्रा की तारीफ

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने अपने दोस्त विशाल मिश्रा की प्रशंसा की और कहा कि बचपन में किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन के म्यूजिक कन्सर्ट के बाद वह अब बॉलीवुड गायक के कार्यक्रम में शामिल हुई हैं। सोनाक्षी ने अपनी इंस्टाग्राम कहानियों पर एक वीडियो साझा किया और इसे कैप्शन दिया, मुझे अपने दोस्त विशाल पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, भाई बचपन में माइकल जैक्सन के कन्सर्ट के बाद सीधे तुम्हारे कन्सर्ट पर आई हूं और यह बहुत बढ़िया था। विशाल ने फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' के गाने 'मस्त मलंग झूम' में अपनी आवाज का हुनर दिखाया है। इसमें गायक के रूप में अरिजीत सिंह और निखिता गांधी भी हैं। ट्रैक की रचना विशाल ने की है और गीत इरशाद कामिल द्वारा लिखे गए हैं। यह गाना सोनाक्षी सिन्हा, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ पर फिल्माया गया है। इसे जॉर्डन में शूट किया गया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म ईद पर रिलीज होगी।

पुण्यतिथि पर विशेष

मीना कुमारी को
अनाथालय छोड़ आए थे उनके पिता

मुंबई (वार्ता)। अपने दमदार और संजीदा अभिनय से सिने प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाली ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी को जन्म के बद उनके पिता अनाथालय छोड़ आए थे। एक अगस्त 1932 का दिन था। मुंबई में एक क्लीनिक के बाहर मास्टर अली बक्श नाम के एक शख्स बड़ी बेसब्री से अपनी तीसरी औलाद के जन्म का इंतजार कर रहे थे। दो बेटियों के जन्म लेने के बाद वह इस बात की दुआ कर रहे थे कि अल्लाह इस बार बेटे का मुंह दिखा दे, तभी अंदर से बेटी होने की खबर आई तो वह माथा पकड़ कर बैठ गए। मास्टर अली बख्श ने तय किया कि वह बच्ची को घर नहीं ले जाएंगे और वह बच्ची को अनाथालय छोड़ आए लेकिन बाद में उनकी पत्नी के आंसुओं ने बच्ची को अनाथालय से घर लाने के लिये उन्हें मजबूर कर दिया। बच्ची का चांद सा माथा देखकर मां ने उसका नाम रखा माहजबीं। बाद में यही माहजबीं फिल्म इंडस्ट्री में मीना कुमारी के नाम से मशहूर हुई।

वर्ष 1939 मे बतौर बाल कलाकार मीना कुमारी को विजय भट्ट की लेदरफेस मे काम करने का मौका मिला। वर्ष 1952 मे मीना कुमारी को विजय भट्ट के निर्देशन मे ही बैजू बावरा मे काम करने का मौका मिला। फिल्म की सफलता के बाद मीना कुमारी बतौर अभिनेत्री फिल्म इंडस्ट्री मे अपनी पहचान बनाने मे सफल हो गई। वर्ष 1952 में मीना कुमारी ने फिल्म निर्देशक कमाल अमरोही के साथ शादी कर ली। वर्ष 1962 मीना कुमारी के सिने कैरियर का अहम पड़ाव साबित हुआ। इस वर्ष उनकी आरती, मैं चुप रहूंगी और साहिब बीबी और गुलाम जैसी फिल्में प्रदर्शित हुई।

वर्ष 1964 मे मीना कुमारी और कमाल अमरोही की विवाहित जिंदगी मे दरार आ गई। इसके बाद मीना कुमारी और कमाल अमरोही अलग अलग रहने लगे। कमाल अमरोही की फिल्म पाकीजा के निर्माण मे लगभग चौदह वर्ष लग गए। कमाल अमरोही से अलग होने के बावजूद मीना कुमारी ने शूटिंग जारी रखी क्योंकि उनका मानना था कि पाकीजा जैसी फिल्मों मे काम करने का मौका बार बार नहीं मिल पाता है। मीना कुमारी के करियर में उनकी जोड़ी अशोक कुमार के साथ काफी पसंद की गई। मीना कुमारी को उनके बेहतरीन अभिनय के लिए चार बार फिल्म फेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया है। इनमें बैजू बावरा, परिणीता, साहिब बीबी और गुलाम और काजल शामिल है। मीना कुमारी यदि अभिनेत्री नहीं होती तो शायर के रूप में अपनी पहचान बनाती। हिंदी फिल्मों के जाने माने गीतकार और शायर गुलजार से एक बार मीना कुमारी ने कहा था , ये जो एक्टिंग मैं करती हूं उसमें एक कमी है। ये फन ये आर्ट मुझसे नही जन्मा है ख्याल दूसरे का, किरदार किसी का और निर्देशन किसी का। मेरे अंदर से जो जन्मा है, वह लिखती हूं जो मैं कहना चाहती हूं वह लिखती हूं। मीना कुमारी ने अपनी वसीयत में अपनी कविताएं छपवाने का जिम्मा गुलजार को दिया जिसे उन्होंने नाज उपनाम से छपवाया। सदा तन्हा रहने वाली मीना कुमारी ने अपनी रचित एक गजल के जरिए अपनी जिंदगी का नजरिया पेश किया है

.. चांद तन्हा है आसमां तन्हा
दिल मिला है कहां कहां तन्हा
राह देखा करेगा सदियों तक
छोड़ जाएंगें ये जहां तन्हा ..

अपने संजीदा अभिनय से दर्शको के दिल पर राज करने वाली मीना कुमारी 31 मार्च 1972 को सदा के लिए अलविदा कह गईं।

संक्षिप्त खबरें

आरआईएल का बड़ा निवेश

नई दिल्ली। विभिन्न कारोबार से जुड़ी रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. ने पिछले दस साल में 125 अरब डालर से अधिक का पूंजीगत निवेश किया है। कंपनी ने इस निवेश के जरिये हाइड्रोकार्बन और दूरसंचार कारोबार में बड़े पैमाने पर विस्तार किया है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। इसमें अनुमान जताया गया है कि अगले तीन वर्षों में समूह का निवेश अपेक्षाकृत कम पूंजीगत व्यय वाले खुदरा और नए ऊर्जा क्षेत्र में होगा। रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस लंबे और गहन पूंजीगत व्यय चक्र (हाइड्रोकार्बन और दूरसंचार) से बाहर आ रही है।

फॉरएवर ग्लोबल रैली 9 से

नई दिल्ली। फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स नौ से 14 अप्रैल 2024 के बीच नई दिल्ली में रैली आयोजित करने जा रही है। नौ से 14 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। ग्लोबल रैली 100 देशों से 12,000 से अधिक लोगों को एकजुट करते हुए फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स के एक और सफलता भरे साल का जश्न मनाएगी। फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स के सीईओ ग्रेग मॉघान ने कहा कि एफजीआर 2024 उपस्थितगणों को चुनौतियों एवं अवसरों के बारे में परिचित कराएगा। यह सालाना रैली बड़ी संख्या में लोगों को एक मंच पर लाकर फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स की सफलता का जश्न मनाएगी।

अत्याधुनिक सीमेंट मिल शुरू

नई दिल्ली। उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड ने राजस्थान के उदयपुर में अपने डबोक प्लांट में अत्याधुनिक सीमेंट मिल की शुरुआत की। यह महत्वपूर्ण अवसर यूसीडब्ल्यूएल की उत्पादन क्षमता में मौजूदा 2.2 मिलियन मीट्रिक टन से 4.7 मिलियन मीट्रिक टन तक पर्याप्त वृद्धि का प्रतीक है। उदयपुर सीमेंट वर्क्स के डायरेक्टर और सीईओ श्रीवत्स सिंघानिया ने कहा, 'सीमेंट मिल का उद्घाटन यूसीडब्ल्यूएल के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह विस्तार न केवल सीमेंट उद्योग में हमारी पोजीशन को मजबूत करता है, बल्कि हमें क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भी सशक्त बनाता है।

ब्याज दरें यथावत रख सकता है भारतीय रिजर्व बैंक

■ मौद्रिक नीति समिति की बैठक तीन अप्रैल से होगी शुरू ■ केंद्रीय बैंक पर बढ़ेगा मुद्रास्फीति को काबू रखने का दबाव

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक इस सप्ताह पेश मौद्रिक नीति समीक्षा एक बार फिर नीतिगत दर को यथावत रख सकता हैं। इसका कारण आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता दूर होने और इसके करीब आठ प्रतिशत रहने के साथ केंद्रीय बैंक का अब और अधिक जोर मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के लक्ष्य पर लाने पर हो सकता है। विशेषज्ञों ने यह बात कही।

साथ ही नीतिगत दर पर निर्णय लेने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कुछ विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों के रुख पर गौर कर सकती है। ये केंद्रीय बैंक नीतिगत दर में कटौती को लेकर स्पष्ट रूप से 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपना रहे हैं। विकसित देशों में स्विट्जरलैंड पहली बड़ी अर्थव्यवस्था है जिसने नीतिगत दर में कटौती की है। वहीं दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान आठ साल बाद नकारात्मक ब्याज दर की स्थिति को समाप्त किया है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास की अध्यक्षता वाली एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक तीन अप्रैल को शुरू होगी।मौद्रिक नीति समीक्षा की की घोषणा पांच अप्रैल को की जाएगी। यह वित्त वर्ष 2024-25 की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा होगी। एक अप्रैल, 2024 से शुरू वित्त वर्ष में एमपीसी की छठ बैठकें होगी।

आरबीआई ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो दर बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था। उसके बाद लगातार छह द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में इसे यथावत रखा गया है। बैंक आफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, 'मुद्रास्फीति अभी भी पांच प्रतिशत के दायरे में है और खाद्य मुद्रास्फीति के मोर्चे पर भविष्य में झटका लगने की आशंका है, इसको देखते हुए एमपीसी इस बार भी नीतिगत दर और रुख पर यथास्थिति बनाए रख सकता है।' उन्होंने कहा कि जीडीपी अनुमान में संशोधन हो सकता है। इस पर सबकी बेसब्री से नजर होगी।

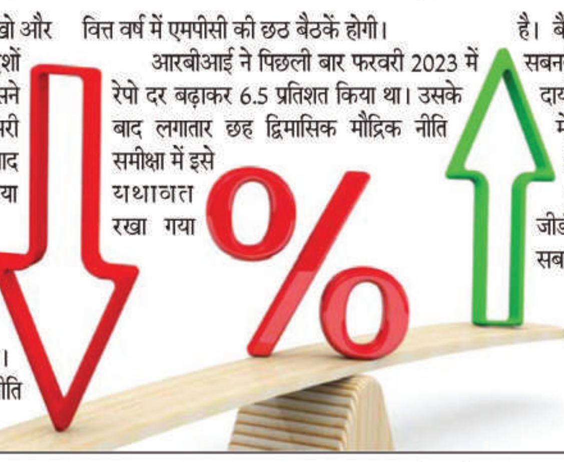

सबनवीस ने कहा, ''वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि उम्मीद से कहीं बेहतर रही है और इसीलिए केंद्रीय बैंक को इस मामले में चिंताएं कम होंगी और वह मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुरूप लाने पर ज्यादा ध्यान देना जारी रखेगा।'

केंद्रीय उपक्रमों से लाभांश प्राप्ति अनुमान से ज्यादा

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र को सार्वजनिक उपक्रमों से चालू वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 63,000 करोड़ रुपये का लाभांश मिला है। यह संशोधित बजट अनुमान से 26 प्रतिशत अधिक है। कोल इंडिया, ओएनजीसी, पावरग्रिड और गेल जैसे केंद्रीय उपक्रमों के अच्छे लाभांश से कुल प्राप्ति बढ़ी है।

एक फरवरी को पेश बजट में 2023-24 के लिए केंद्रीय उपक्रमों से 50,000 करोड़ रुपये की लाभांश प्राप्ति का संशोधित अनुमान रखा गया था। दीपम की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 31 मार्च, 2024 को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष में वास्तविक लाभांश प्राप्ति करीब 26 प्रतिशत बढ़कर 62,929.27 करोड़ रुपये रही।

बड़ी कंपनियों की जीएसटी जांच के लिए पूर्व मंजूरी जरूरी

■ सीबीआईसी ने इसके लिए जारी किये हैं नए दिशा निर्देश

नई दिल्ली (भाषा)।

जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों को अब किसी भी बड़े औद्योगिक घराने या प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले अपने क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी।

उन्हें पहली बार वस्तुओं/सेवाओं पर शुल्क लगाने के लिए भी क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों के अनुसार जब एक करदाता की जांच राज्य जीएसटी और डीजीजीआई अधिकारी कर रहे हैं, तो प्रधान आयुक्त इस संभावना पर विचार करेंगे कि करदाता के संबंध में सभी मामलों को एक कार्यालय द्वारा आगे बढ़ाया जाए।

■ अफसरों को जांच के लिए लेनी होगी अपने प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी
■ जांच शुरू करने के बाद एक साल के भीतर इसे पूरा करना होगा जरूरी

दिशानिर्देशों में कर अधिकारियों के लिए जांच शुरू होने के एक साल के भीतर जांच पूरी करने की समय सीमा भी तय की गई है। सीबीआईसी ने आगे कहा कि किसी सूचीबद्ध कंपनी या पीएसयू के संबंध में जांच शुरू करने या उनसे विवरण मांगने के लिए सीजीएसटी अधिकारियों को इकाई के नामित अधिकारी को समन भेजने के बजाए आधिकारिक पत्र जारी करना चाहिए।

बोर्ड ने कहा कि इस पत्र में जांच के कारणों का विवरण देना चाहिए और उचित समय अवधि के भीतर दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मांग करनी चाहिए। इसमें आगे कहा गया है कि कर अधिकारियों को करदाता से वह जानकारी नहीं मांगनी चाहिए, जो जीएसटी पोर्टल पर पहले से ही ऑनलाइन उपलब्ध है।

दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक जांच प्रधान आयुक्त की मंजूरी के बाद ही शुरू की जानी चाहिए। हालांकि, चार श्रेणियों में जांच शुरू करने और कार्रवाई करने के लिए क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्त की लिखित में पूर्व मंजूरी की जरूरत होगी। इन चार श्रेणियों में किसी भी क्षेत्र/वस्तु/सेवा पर पहली बार कर/शुल्क लगाने की मांग करने वाली व्याख्या के मामले शामिल हैं। इसके अलावा बड़े औद्योगिक घराने और प्रमुख बहुराष्ट्रीय निगम से जुड़े मामले, संवेदनशील मामले या राष्ट्रीय महत्व के मामले और ऐसे मामले जो पहले से ही जीएसटी परिषद के समक्ष हैं, इसमें शामिल हैं।

एमएसएमई को समय पर भुगतान के लिए नियम आज लागू होंगे

नई दिल्ली।

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को समय पर भुगतान के लिए आयकर नियम सोमवार से अमल में आएगा। इसके तहत कंपनियां अगर वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति के लिए एमएसएमई को भुगतान 45 दिनों में नहीं करती हैं, तो भुगतान पर कर कटौती का दावा नहीं कर सकेंगी यानी उन्हें अधिक कर का भुगतान करना होगा।

वित्त अधिनियम 2023 के माध्यम से पेश आयकर अधिनियम की धारा 43 बी (एच) के अनुसार यदि कोई बड़ी कंपनी एमएसएमई को समय पर भुगतान नहीं करती है, लिखित समझौतों के मामले में 45 दिनों के भीतर, तो वह उस खर्च को अपने कर योग्य आय से नहीं काट सकती है। इससे उन्हें अधिक कर देना पड़ सकता है। कुछ उद्योग संगठनों ने सरकार से नए भुगतान नियमों के कार्यान्वयन को स्थगित करने का आग्रह किया है। फेडरेशन आफ इंडियन माइक्रो एंड स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एफआईएसएमई) का कहना कि नए नियम में एमएसएमई के लिए पासा पलटने वाला बनने की क्षमता है। एमएसएमई को डर है कि इस प्रावधान के कारण, बड़े खरीदार एमएसएमई आपूर्तिकर्ताओं के प्रति उदासीन हो सकते हैं।

अवैध लोन ऐप पर रोक की कवायद

■ इसके लिए डिजिटल इंडिया ट्रस्ट के गठन पर विचार

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक साइबर धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और अवैध कर्ज देने वाले ऐप पर रोक लगाने के लिए डिजिटल इंडिया ट्रस्ट एजेंसी (डीआईजीआईटीए) के गठन पर विचार कर रहा है। गौरतलब है कि देश में अवैध ऋण देने वाले ऐप तेजी से बढ़ रहे हैं।

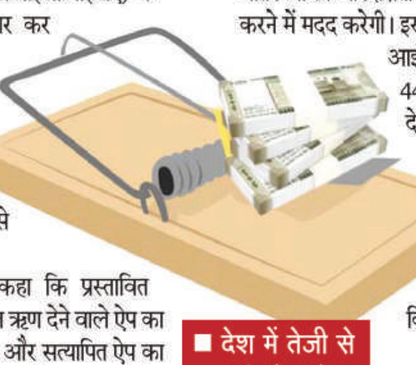

सूत्रों ने कहा कि प्रस्तावित एजेंसी डिजिटल ऋण देने वाले ऐप का सत्यापन करेगी और सत्यापित ऐप का एक सार्वजनिक रजिस्टर बनाएगी। सूत्रों ने कहा कि जिन ऐप पर डीआईजीआईटीए के सत्यापन का निशान नहीं होगा, उन्हें अनधिकृत माना जाना चाहिए। इससे डिजिटल क्षेत्र में वित्तीय अपराधों के खिलाफ लड़ाई में मदद मिलेगी।

■ देश में तेजी से बढ़ रहे हैं अवैध ऋण ऐप
■ अब सभी ऐप को कराना होगा अपना पंजीयन

उन्होंने कहा कि डीआईजीआईटीए को डिजिटल ऋण देने वाले ऐप की जांच की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सूत्रों के अनुसार इस सत्यापन प्रक्रिया से डिजिटल ऋण क्षेत्र के भीतर अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही पैदा करने में मदद करेगी। इस बीच रिजर्व बैंक ने आईटी मंत्रालय के साथ 442 डिजिटल ऋण देने वाले ऐप की एक सूची साझा की है, ताकि उन्हें गूगल पर प्रतिबंधित किया जा सके।

गूगल ने सितम्बर 2022 से अगस्त 2023 तक अपने ऐप स्टोर से 2,200 से अधिक डिजिटल तरीके से कर्ज देने वाले ऐप को हटाया है।

ईवी को बढ़ावा देने के लिए योजना आज से

नई दिल्ली।

भारत में इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये की नई योजना सोमवार से लागू होगी और जुलाई के अंत तक जारी रहेगी। इस बीच, देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण (फेम-दो) कार्यक्रम का दूसरा चरण 31 मार्च, 2024 को समाप्त हो रहा है।

फेम योजना के तहत सब्सिडी 31 मार्च तक या धन उपलब्ध होने तक बेचे जाने वाले ई-वाहनों के लिए उपलब्ध होगी। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने में और तेजी लाने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय ने 500 करोड़ रुपये की इलेक्ट्रिक परिवहन संवर्धन योजना 2024 (ईएमपीएस 2024) शुरू की है।

सात सर्वाधिक मूल्यवान कंपनियों का एमकैप बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)। शेयर बाजारों में तेजी के बीच 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण संयुक्त रूप से पिछले सप्ताह 67,259.99 करोड़ रुपये बढ़ा। इसमें सबसे ज्यादा लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 819.41 अंक यानी 1.12 प्रतिशत मजबूत हुआ था। होली और गुड फ्राइडे की वजह से पिछले सप्ताह तीन दिन ही कारोबार हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 45,262.59 करोड़ रुपये बढकर 20,14,010.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 5,533.26 करोड़ रुपये बढकर 6,71,666.29 करोड़ रुपये हो गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 5,218.12 करोड़ रुपये बढकर 5,78,484.29 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 4,132.67 करोड़ रुपये बढकर 7,69,542.65 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 4,029.69 करोड़ रुपये बढकर 11,00,184.60 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 2,819.51 करोड़ रुपये बढकर 5,32,946.04 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी का एमकैप 264.15 करोड़ रुपये बढकर 5,35,032.74 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का पूंजीकरण 10,691.45 करोड़ रुपये घट गया।

बैंक आफ इंडिया ने ब्याज दर 0.10 प्रतिशत बढ़ाई

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आफ इंडिया ने कर्ज पर लगने वाले ब्याज दर में 0.10 प्रतिशत की वृद्धि की है। इससे खुदरा समेत अन्य कर्ज महंगे होंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक पांच अप्रैल को मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगा। बैंक ने उससे पहले ब्याज दर में वृद्धि की है। बैंक आफ इंडिया (बीओआई) ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि नई दर एक अप्रैल से प्रभावी होगी। बैंक ने कहा कि बीओई ने 'मार्क अप' में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि की है। इससे यह 2.75 प्रतिशत से बढकर 2.85 प्रतिशत हो गया है। वर्तमान में रेपो दर 6.5 प्रतिशत है। ऐसे में रेपो आधारित ब्याज दर 9.35 प्रतिशत होगी।

पीएलआई स्कीम से मिला भारी निवेश

■ दिसम्बर के अंत तक मिला कुल 1.06 लाख करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली (भाषा)।

चौदह क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं से दिसम्बर 2023 तक 1.06 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। कुल निवेश में औषधि और सौर मोड्यूल का योगदान करीब आधा रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल दिसंबर तक सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर, वाहन और वाहल कल-पुर्जे, कपड़ा और एसीसी (उन्नत रसायन सेल) बैटरी भंडारण जैसे क्षेत्रों में योजना को लेकर प्रतिक्रिया धीमी रही।

सरकार ने 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के व्यय के साथ दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, कपड़ा, चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण, वाहन, विशेष इस्पात, खाद्य उत्पाद, उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल, उन्नत रसायन बैटरी, ड्रोन और औषधि जैसे 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना की घोषणा की। आंकड़ों के मुताबिक औषधि क्षेत्र ने पिछले साल दिसम्बर तक 25,813 करोड़ रुपये आकर्षित किये। इस क्षेत्र के प्रमुख लाभार्थियों में डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, ग्लेनमार्क, बायोकॉन और वॉकहार्ट शामिल हैं।

इस क्षेत्र में, पीएलआई लाभार्थियों में शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स, रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड, अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर और टाटा पावर सोलर शामिल हैं। पिछले साल दिसम्बर तक जिन अन्य क्षेत्रों में अच्छा निवेश प्राप्त हुआ, उनमें थोक दवाएं, चिकित्सा उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण और दूरसंचार शामिल हैं। सबसे कम निवेश आईटी हार्डवेयर में 270 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ, जबकि इस क्षेत्र में 2,517 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद थी।

कारपोरेटनामा

एनएमडीसी के 'सम्मान' पोर्टल का अनावरण

नई दिल्ली (वि.)। अपने आदर्श विचारों 'नौकरी के साथ भी, नौकरी के बाद भी' को मूर्त रूप देते हुए जिम्मेदार खनिक एनएमडीसी ने पूर्व कार्मिकों के लिए 'सम्मान' पोर्टल लांच करके डिजिटल नवाचार में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पहल का शुभारंभ हैदराबाद में कंपनी के मुख्यालय में अमिताभ मुखर्जी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) ने विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), बी. विश्वनाथ, सीवीओ, परियोजना प्रमुखों, मुख्यालय के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में किया। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक के रूप में एनएमडीसी न केवल औद्योगिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है बल्कि मानव संसाधन को भी अत्यधिक महत्व देता है जो इसकी सफलता का प्रमुख कारक है। 'सम्मान' इस प्रतिबद्धता का एक सूचक है, जो पूर्व कर्मचारियों को विभिन्न चिकित्सा दावों का प्रबंधन करने, व्यक्तिगत प्रोफाइल, आश्रितों के विवरण और आवेदन की स्थिति देखने के लिए एक सहज, डिजिटल प्लेटफॉर्म ऑनलाइन प्रदान करता है।

ल्युमिनस पावर के संयंत्र का उद्घाटन

नई दिल्ली (वि.)। उर्जा समाधान कंपनी ल्युमिनस पावर ने उद्योग जगत में पहली बार उत्तराखण्ड के रूद्रपुर में सोलर पैनल फैक्टरी का उद्घाटन किया। सकारात्मक बदलावों में योगदान देने के प्रयास में कंपनी का यह कदम माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 'पीएम सूर्योदय योजना' के लांच के दौरान संरेखित सोलर दृष्टिकोण एवं स्थायित्व के उद्देश्यों के अनुरूप है। सोलर पैनल निर्माण में नई प्रगति से युक्त इस युनिट की आधुनिक टेक्नोलॉजी और बुनियादी सुविधाओं को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि ये अधिकतम प्रभाविता एवं पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव को सुनिश्चित करेगी। लांच के अवसर पर ल्युमिनस के ब्राण्ड अम्बेसडर और क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर; ल्युमिनस पावर टेक्नोलॉजीज़ की सीईओ एवं एमडी प्रीती बजाज तथा ल्युमिनस बोर्ड के चेयरमैन एवं श्नाइडर इलेक्ट्रिक में इंटरनेशनल ऑपरेशन्स के वाईस प्रेज़ीडेन्ट मनीष पंत मौजूद रहे। इस अवसर पर मिस प्रीति बजाज, एमडी एवं सीईओ, ल्युमिनस पावर टेक्नोलॉजीज़ ने कहा, "रूद्रपुर में ग्रीन सोलर पैनल फैक्टरी भारत के शुद्ध शून्य उद्देश्यों में ल्युमिनस की बड़ी भूमिका की दिशा में उल्लेखनीय कदम है।

जोमैटो को कर मांग को लेकर नोटिस

नई दिल्ली, (भाषा)। आनलाइन आर्डर देकर खाना मंगाने की सुविधा देने वाले मंच जोमैटो को कर अधिकारियों से 23.26 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला है। इसमें ब्याज और जुर्माना शामिल है। कंपनी ने कहा कि वह आदेश के खिलाफ उपयुक्त प्राधिकार के समक्ष चुनौती देगी। जोमैटो ने बीएसई को दी सूचना में कहा, 'कंपनी को वित्त वर्ष 2018-19 के लिए सहायक वाणिज्यिक कर आयुक्त (ऑडिट), कर्नाटक से 11,27,23,564 करोड़ रुपये की जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) मांग को लेकर नोटिस मिला है। इस पर ब्याज और जुर्माने के साथ यह 23,26,64,271 रुपये बैठता है।' कंपनी ने कहा, 'हमारा मानना है कि गुण-दोष के आधार पर हमारा मामला मजबूत है और कंपनी उचित प्राधिकार के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील करेगी।'

एनटीपीसी की बरौनी स्टेज-1 परियोजना बंद

नई दिल्ली (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी ने 220 मेगावाट क्षमता की बरौनी तापीय बिजलीघर स्टेज-1 को स्थायी रूप से बंद कर दिया है। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार देश की सबसे बड़ी बिजली कंपनी एनटीपीसी की कुल स्थापित क्षमता 75,1418 मेगावाट है। इसमें संयुक्त उद्यम की स्थापित क्षमताएं शामिल हैं। एनटीपीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, 'एनटीपीसी बरौनी तापीय बिजलीघर स्टेज- 1 (110-110 मेगावाट की दो इकाइयों) के परिचालन को 31 मार्च, 2024 से स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। इस बिजलीघर में 110 मेगावाट की दो इकाइयां (यूनिट 6 और 7) हैं।' एनटीपीसी का लक्ष्य 2032 तक 130 गीगावाट क्षमता वाली कंपनी बनने का है। एनटीपीसी ने 15 दिसम्बर, 2018 को बिहार राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी से बिहार के बेगुसराय जिले में बरौनी तापीय बिजलीघर (720 मेगावाट) का अधिग्रहण किया था। अधिग्रहण के समय 720 मेगावाट क्षमता के कोयला आधारित बिजलीघर में 110 मेगावाट की दो इकाइयां (आरएंडएम-नवीनीकरण और आधुनिकीकरण के तहत) और 250 मेगावाट की दो इकाइयां निर्माणाधीन थीं। बिजलीघर में चरण-1 (2न110 मेगावाट) और चरण-दो परियोजनाएं शामिल थी।

अबू धाबी - कन्नूर के बीच इंडिगो की सीधी उड़ानें

तिरुवनंतपुरम (भाषा)। प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने नौ मई से अबू धाबी और उत्तरी केरल के कन्नूर के बीच सीधी उड़ानों की घोषणा की है। एयरलाइन ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वह अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति का विस्तार करते हुए इस सीधी दैनिक उड़ान का संचालन करेगी। इंडिगो के वैश्विक बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि इन उड़ानों के अलावा, एयरलाइन भारत के आठ शहरों से अबू धाबी के लिए 56 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी।

जेएसडब्ल्यू के कर्नाटक संयंत्र में हॉट स्ट्रिप मिल शुरू

नई दिल्ली (भाषा)। जेएसडब्ल्यू स्टील ने शनिवार को कर्नाटक के विजयनगर स्थित अपने एकीकृत इस्पात संयंत्र में हॉट स्ट्रिप मिल शुरू करने की घोषणा की। जेएसडब्ल्यू स्टील ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने 50 लाख टन की वार्षिक क्षमता वाली मिल से स्टील उत्पादों की पहली खेप भेजी है। कंपनी ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू विजयनगर मेटालिक्स लिमिटेड (जेवीएमएल) ने आज विजयनगर संयंत्र में 50 लाख टन प्रतिवर्ष क्षमता के साथ अपनी हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) को चालू किया और पहली खेप भेजी। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि यह संयंत्र 17 मार्च, 2024 को तैयार हुआ था।

ओपनएआई ने वॉयस इंजन पेश किया

सैन फ्रांसिस्को (एपी)। चैटजीपीटी को बनाने वाली कंपनी ओपनएआई वॉयस असिस्टेंट कारोबार में उतर रही है। कंपनी ने ऐसी तकनीक तैयार की है, जो किसी व्यक्ति की आवाज को क्लोन कर सकती है। हालांकि, ओपनएआई ने कहा है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण वह इसे अभी सार्वजनिक रूप से पेश नहीं करेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी ने नाम के लिए ट्रेडमार्क आवेदन दाखिल करने के ठीक एक सप्ताह बाद शुक्रवार को अपनी नई वॉयस इंजन तकनीक का अनावरण किया।

हिंडनबर्ग के असर से उबरा अडाणी ग्रुप

■ तेज विकास के पथ पर बढ़ा आगे

नई दिल्ली (भाषा)। ऐसा जान पड़ता है कि विभिन्न कारोबार से जुड़ा अडाणी समूह अब पूरी तरह से हिंडनबर्ग प्रभाव से बाहर आ गया है। समूह ने एक सप्ताह के भीतर 1.2 अरब डालर का तांबा संयंत्र खोला, ओड़िशा में बंदरगाह खरीदा और सीमेंट कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाई। साथ ही प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाली मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ गठजोड़ भी किया है। समूह ने पिछले एक सप्ताह में शेयर बाजारों को दी सूचना और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से अपने मुख्य बंदरगाह कारोबार में विस्तार और निवेश, धातु रिफाइनिंग में विविधीकरण, दो साल पुराने सीमेंट क्षेत्र में पूंजी डाले जाने और अपनी वृहत सौर परियोजना के चालू होने के मामले में लगातार हो रही प्रगति की घोषणा की है।

इसकी शुरुआत 26 मार्च को अडाणी पोर्ट्स के गोपालपुर पोर्ट में 3,350 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर 95 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा के साथ हुई। इससे उसके नियंत्रण में बंदरगाहों की संख्या 15 हो गई। यह देश में किसी भी निजी कंपनी के पास बंदरगाहों की सर्वाधिक संख्या है। इसके बाद समूह की प्राुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लि. ने 28 मार्च को गुजरात के मुंदड़ा में एक ही स्थान पर दुनिया के सबसे बड़े तांबा विनिर्माण संयंत्र के पहले चरण की घोषणा की। यह समूह के धातु शोधन के क्षेत्र में प्रवेश को बताता है। कुल 1.2 अरब डालर (लगभग 10,000 करोड़ रुपये) के संयंत्र ने भारत को चीन और अन्य देशों में शामिल होने में मदद की है।

मोहित शर्मा की घातक गेंदबाजी के बाद सुदर्शन व मिलर ने खेली शानदार पारी

गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया

● अहमदाबाद

मोहित शर्मा के 25 रन देकर तीन विकेट और उसके बाद साई सुदर्शन के 45 रन तथा डेविड मिलर की नाबाद 44 रनों की बदौलत गुजरात टाइटंस ने रविवार को खेले गये इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 12वें मैच में हैदराबाद को सात विकेट से हरा दिया। गुजरात की ऋद्धिमान साहा और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले विकेट लिये 36 रन जोड़े। ऋद्धिमान साहा 13 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से 25 रनों की पारी खेली। साहा को पांचवें ओवर में शाबाज ने कमिंस के हाथों कैच आउट कराया।

शुभमन गिल 28 गेंदों मे दो चौके और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाये। गिल को मार्कंडेय ने समद के हाथों कैच आउट कराया। साई सुदर्शन ने टीम के लिये 36 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 45 रन बनाये।

सुदर्शन को 17वें ओवर की पहली गेंद पर कमिंस ने अभिषेक के हाथों कैच आउट कराया। डेविड मिलर ने तूफानी अंदाज में 27 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 44 रन बनाये। विजय शंकर 14 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात टाइटंस ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 168 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। गुजरात टाइंट्स की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है। हैदराबाद की ओर से शाहबाज अहमद, मयंक मार्कंडेय ओर पैट कमिंस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले अब्दुल समद और अभिषेक शर्मा की 29-29 रनों की पारियों सहित टीम प्रयास के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने गुजरात टाइटंस को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य दिया है।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4/6
ट्रैविस हेड बो. नूर अहमद	19	17	2/0
मयंक कै. नालकंडे बो. उमरजई	16	14	3/0
अभिषेक शर्मा कै. गिल बो. मोहित	29	20	2/2
मारक्रम कै. राशिद बो. उमेश	17	19	0/0
हाइनरिक क्लासन बो. राशिद	24	13	1/2
शाहबाज अहमद नाबाद	22	20	1/1
अब्दुल समद रनआउट नूर/साहा	29	14	3/1
वॉशिंगटन कै. राशिद बो. मोहित	00	01	0/0
पैट कमिंस नाबाद	02	02	0/0

अतिरिक्त: 04, **कुल**: 20 ओवर में आठ विकेट पर 162 रन, **विकेट पतन**: 1-34, 2-58, 3-74, 4-108, 5-114, 6-159, 7-159, 8-162, **गेंदबाजी**: अजमतउल्लाह उमरजइ 3-0-24-1, उमेश यादव 3-0-28-1, राशिद खान 4-0-33-1, नूर अहमद 4-0-32-1, मोहित शर्मा 4-0-25-3, दर्शन नालकंडे 2-0-18-0,

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
ऋद्धिमान साहा कै. कमिंस बो. शाहबाज	25	13	1/2
शुभमन गिल कै. समद बो. मार्कंडेय	36	28	2/1
साई सुदर्शन कै. अभिषेक बो. कमिंस	45	36	4/1
डेविड मिलर नाबाद	44	27	4/2
विजय शंकर नाबाद	14	11	2/0

अतिरिक्त: 04, **कुल**: 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 168 रन, **विकेट पतन**: 1-36, 2-72, 3-138, **गेंदबाजी**: भुवनेश्वर कुमार 4-0-27-0, शाहबाज अहमद 2-0-20-1, जयदेव उनादकट 3.1-0-33-0, वॉशिंगटन सुंदर 3-0-27-0, मयंक मार्कंडेय 3-0-33-1, पैट कमिंस 4-0-28-1,

मयंक व हेड ने दी अच्छी शुरुआत

यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद के लिए मयंक अग्रवाल और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत के तहत पहले विकेट लिये 34 रन जोड़े। उमरजई ने पांचवें ओवर में मयंक को 16 रन पर आउटकर हैदराबाद को पहला झटका दिया। उसके बाद सातवें ओवर में नूर अहमद ने ट्रैविस को 19 रन पर बोल्ड कर दिया। इसके बाद जो भी बल्लेबाज पिच आये उन्होंने तेजी से के साथ रन बटोरे। अभिषेक शर्मा ने 20 गेदों में दो चौके और दो छक्कों के साथ 29 रनों की पारी खेली। एडन मारक्रम ने 17 रन बनाये। हाइनरिक क्लासन 13 गेंदों में 24 रन और शाहबाज अहमद 20 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुये। अब्दुल समद 14 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 29 रनों की पारी खेली। समद आखिरी गेंद पर रनआउट हुये। कप्तान पैट कमिंस दो रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 162 रन का स्कोर खड़ा किया। गुजरात जायंट्स की ओर से मोहित शर्मा ने तीन विकेट लिये। अजमतउल्लाह उमरजई, उमेश यादव, राशिद खान और नूर अहमद ने एक-एक विकेट लिया। साई सुदर्शन ने जीत के बाद कहा कि मुझे खुशी है कि मेरे योगदान से टीम को जीत मिली, इसलिए निश्चित रूप से खुश हूं। उन्होंने इस जीत के लिए मोहित शर्मा और राशिद खान को भी श्रेय दिया।

आईपीएल 2024 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
कोलकाता	2	2	0	4	1.047
चेन्नई	3	2	1	4	0.976
राजस्थान	2	2	0	4	0.800
गुजरात	3	2	1	4	-0.738
हैदराबाद	3	1	2	2	0.204
लखनऊ	2	1	1	2	0.025
दिल्ली	3	1	2	2	-0.016
पंजाब	3	1	2	2	-0.337
बेंगलुरु	3	1	2	2	-0.711
मुंबई	2	0	2	0	-0.925

मुकेश और खलील ने चेन्नई को किया पस्त

धोनी की तूफानी पारी भी नहीं दिला पाई जीत

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। डेविड वॉर्नर और ऋषभ पंत की अर्धशतकीय पारियों के बाद मुकेश कुमार तथा खलील अहमद की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 20 रनों से हरा दिया है। मैच में धोनी ने तूफानी पारी खेली, लेकिन वह चेन्नई को जीत नहीं दिला पाये। 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ एक रन, रचिन रविंद्र दो रन बनाकर पवेलियन लौटे। दोनों बल्लेबाजों को खलील अहमद ने आउट किया। इसके बाद अजिंक्य रहाणे और डैरिल मिचेल ने तीसरे विकेट के लिये 72 रन जोड़े। अजिंक्य रहाणे ने 30 गेंदों में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 45 रनों की पारी खेली। डैरिल मिचेल ने 26 गेदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से 34 रन बनाये। शिवम दुबे 18 रन बनाकर आउट हुये। समीर रिजवी अपन खाता भी नहीं खोल सके। मुकेश कुमार ने रहाणे, दुबे और रिजवी को आउट कर चेन्नई की कमर तोड़ दी। रवींद्र जडेजा 21 रन, महेन्द्र सिंह धोनी 37 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 171 रन ही बना सकी और 20 रनों से मुकाबल हार गई। दिल्ली की ओर से मुकेश कुमार ने तीन विकेट लिये। खलील अहमद को दो विकेट मिले। अक्षर पटेल ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले डेविड वॉर्नर 52 रन, कप्तान ऋषभ पंत की 51 रन अर्धशतकीय और पृथ्वी शॉ की 43 रनों की शानदार पारियों के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को जीत के लिये 192 रनों का लक्ष्य दिया था।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
पृथ्वी शॉ कै. धोनी बो. जाडेजा	43	27	4/2
वॉर्नर कै. पथिराना बो. मुस्तफिजुर	52	35	5/3
ऋषभ पंत कै. गायकवाड़ बो. पथिराना	51	32	4/3
मिचेल मार्श बो. पथिराना	18	12	2/1
ट्रिस्टन स्टब्स बो. पथिराना	00	02	0/0
अक्षर पटेल नाबाद	07	08	0/0
अभिषेक पोरेल नाबाद	09	06	1/0

अतिरिक्त: 11, **कुल**: 20 ओवर में पांच विकेट पर 191 रन, **विकेट पतन**: 1-93, 2-103, 3-134, 4-134, 5-178, **गेंदबाजी**: दीपक चाहर 4-0-42-0, तुषार देशपांडे 4-0-24-0, मुस्तफिजुर रहमान 4-0-47-1, रवींद्र जडेजा 4-0-43-1, मथीशा पथिराना-4-0-31-3,

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
गायकवाड कै. पंत बो. खलील	1	2	0/0
रवींद्र कै. स्टब्स बो. खलील	2	12	0/0
रहाणे कै. वॉर्नर बो. मुकेश कुमार	45	30	5/2
मिचेल कै. एंड बो. अक्षर पटेल	34	26	1/2
शिवम कै. स्टब्स बो. मुकेश कुमार	18	17	1/0
समीर कै. खलील बो. मुकेश कुमार	0	1	0/0
रवींद्र जडेजा नाबाद	21	17	2/0
एमएस धोनी नाबाद	37	16	4/3

अतिरिक्त: 13, **कुल**: 20 ओवर में छह विकेट पर 171 रन, **विकेट पतन**: 1-3, 2-7, 3-75, 4-102, 5-102, 6-120, **गेंदबाजी**: खलील अहमद 4-1-21-2, इशांत शर्मा 3-0-23-0, एनरिक नॉर्तजे 4-0-43-0, अक्षर पटेल 3-0-20-1, रसिख दार 2-0-25-0, मिचेल मार्श 1-0-14-0, मुकेश कुमार 3-0-21-3,

पृथ्वी शॉ और वॉर्नर ने दिलाई शानदार शुरुआत

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पृथ्वी शॉ और डेविड वॉर्नर की सलामी जोड़ी ने दिल्ली के लिए बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी की। मुस्तफिजुर ने 10 ओवर में पथिराना के हाथों डेविड वॉर्नर को कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। वॉर्नर ने 35 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से 52 रन बनाए।

आरएनटीयू के खिलाड़ी हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार में सम्मानित

भोपाल। रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय आरएनटीयू के हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर, अदिती महेश्वरी को हॉकी इंडिया ने अपने वार्षिक पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया। दिल्ली में

आयोजित समारोह की शुरुआत माइलस्टोन अवार्ड्स 2023 से हुई, जिसमें विवेक सागर प्रसाद को 100 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। वहीं जूनियर एशिया कप 2023 की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय जूनियर महिला टीम को भी सम्मानित किया गया। इस टीम में आरएनटीयू की अदिती महेश्वरी ने अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया था, उन्हें दो लाख रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड के सलाहकार अशोक ध्यानचंद को समारोह में शीर्ष पुरस्कार हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सलाहकार व खिलाड़ियों के सम्मानित होने पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, प्रो चांसलर डॉ. अदिती चतुर्वेदी वत्स, कुलपति प्रो रजनी कांत, कुलसचिव डॉ विजय सिंह और जिला खेल अधिकारी रायसेन जलज चतुर्वेदी ने प्रसन्नता व्यक्त की।

आईआईएफएल जीतो अहिम्सा रन का आयोजन

भोपाल। आईआईएफ अल जीतो अहिम्सा रन भोपाल मैराथन

2024 भोपाल में आयोजित की गई। इस मैराथन में लगभग 600 धावकों ने हिस्सा लिया। मैराथन सैर सपाटा से शुरू होकर नेहरू नगर सर्कल से वापस हुई। तीन किलोमीटर की मैराथन इवेंट में जयेश प्रथम रहे, भोपाल के विक्रम सिंह तोमर ने शानदार फिटनेस दिखाते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि 13 साल के समृद्ध सिंह तोमर ने तृतीय स्थान हासिल किया। पुरस्कार वितरण आलोक शर्मा एवं श्रीमती मालती राय द्वारा किया गया।

मध्य प्रदेश के खिलाड़ियो ने जीते टीम इवेंट में रजत पदक

भोपाल। कुरुक्षेत्र हरियाणा में आयोजित 14वी सीनियर नेशनल ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता 2024 में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष वर्ग में टीम इवेंट में रजत पदक

एवं ट्रिपल पुरुष वर्ग में कांस्य पदक अर्जित किया। मध्य प्रदेश टीम इवेंट मे मिथुन मधु, सौरभ प्रजापति, अभिनंदन परस्ते, विशन कुमार जाटव, सूर्यवीर, विभोर, कौशलेंद्र तिवारी, बिशेन कुमार, राहुल कुमार सिंह, निरंजन कुमार सिंह एवं ट्रिपल में कनिष्क सरकार, तरुण ग्वारी, पीयूष मिश्रा, प्रिंस कीर, उदय ग्वारी, शिवा यादव, सिद्धार्थ चौहान शामिल थे। जिसमें जीत में एलएनसीटी के खिलाड़ियों ने मुख्य भूमिका निभाई।

बोपन्ना-इबडेन ने जीता मियामी ओपन खिताब

रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर वापसी की

मियामी (एजेंसी)। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने के अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए ऑस्ट्रेलिया के जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन के साथ यहां मियामी ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता। इस साल अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 44 साल बोपन्ना और इबडेन की जोड़ी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी पर 6-7, 6-3, 10-6 से रोमांचक जीत हासिल की। इस जीत के साथ बोपन्ना ने पिछले साल बनाए अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने बीते साल 43 बरस की उम्र में इंडियन वेल्स खिताब जीता था। उन्होंने इसके साथ ही युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया। बोपन्ना ने जीत के बाद कहा, यह आश्चर्यजनक है। हम इन बड़े आयोजनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, हम इसी के लिए खेलते हैं। इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना पहला युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले बोपन्ना ने कहा, मैं मास्टर्स 1000 और ग्रैंड स्लैम में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। उस रिकॉर्ड को बरकरार रखना और बाकी सभी को कड़ी टक्कर देना अच्छा है।

श्रीलंका ने टेस्ट में रचा इतिहास

बिना शतक के बना सबसे बड़ा स्कोर, छह बल्लेबाज ने जड़ा अर्धशतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही श्रीलंकाई टीम ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 531 रन बनाए, जो किसी व्यक्तिगत शतक के बिना अब तक का सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। चट्टोग्राम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। पहले दिन स्टंप्स तक उन्होंने चार विकेट पर 314 रन का स्कोर बनाया था।

दूसरे दिन वह 531 रन पर आउट हो गए। शाकिब अल हसन ने 110 रन देकर तीन विकेट लिए। श्रीलंका के छह बल्लेबाज निशान मदुष्का 57 रन, दिमुथ करुणारत्ने 86 रन, कुसल मेंडिस 93 रन, दिनेश चांडीमल 59 रन, डी सिल्वा 70 रन और मेंडिस 92 रन नाबाद शतक बनाने में फेल हो गए। यह अब टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में बिना किसी व्यक्तिगत शतक के सर्वोच्च स्कोर है। पिछला सर्वोच्च स्कोर भारत का 524 रन नौ विकेट पर था जो 1976-77 में कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया था। वहां छह बल्लेबाजों ने अर्धशतक बनाए थे। मोहिंदर अमरनाथ ने सर्वाधिक 70 रन बनाए थे।

ऐसा पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न 1981-82 में भी किया था, जबकि जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ हरारे में 2003-04 में किया था। बहरहाल श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 159 ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए 531 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से शाकिब अल हसन ने 110 देकर तीन विकेट लेते हुए सबसे सफल गेंदबाज रहे। खलील अहमद ने 71 रन देकर एक विकेट, हसन महमूद ने 92 रन देकर 2 विकेट, मेहदी हसन मिराज ने 146 रन देकर एक विकेट लिया।

छह महीने बाद लौटेंगी मीराबाई

नई दिल्ली। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू छह महीने चोट के कारण ब्रेक के बाद आईडब्ल्यूएफ विश्व कप के जरिए वापसी करेंगी ताकि पेरिस ओलंपिक का टिकट कटा सके। विश्व कप आखिरी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट ही नहीं है बल्कि पेरिस खेलों के लिए अनिवार्य भी है। विश्व कप में उनकी भागीदारी ही पेरिस का टिकट कटाने के लिए काफी होगी क्योंकि पूर्व विश्व चैम्पियन महिलाओं की 49 किलो ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। ओलंपिक 2024 क्वालीफिकेशन नियमों के तहत विश्व चैम्पियनशिप 2023 और विश्व कप 2024 में भाग लेना अनिवार्य है। इन दोनों टूर्नामेंटों के अलावा भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैम्पियनशिप, 2023 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप, 2023 ग्रां प्री वन, 2023 ग्रां प्री टू और 2024 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप में से कम से कम तीन में भाग लेना जरूरी है।

सलीमा और हार्दिक वर्ष के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी

अशोक को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह और डिफेंडर सलीमा टेटे को वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार दिया गया जबकि मेजर ध्यानचंद के नाम पर लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान उनके बेटे अशोक कुमार को मिला। पिछले साल एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भी जीतने वाले हार्दिक ने पुरस्कार की दौड़ में पीआर श्रीजेश और हरमनप्रीत सिंह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ा। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे 25 वर्ष के हार्दिक सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उन्होंने पुरस्कार जीतने के बाद कहा, इतने महान खिलाड़ियों के साथ नामांकन पाना ही बड़ी उपलब्धि है।

बाबर आजम होंगे टी20 टीम के कप्तान

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सलामी बल्लेबाज बाबर आजम एक बार फिर सीमित ओवरों के मैचों के लिए टीम का कप्तान बनाया हैं। पीसीबी ने रविवार को अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, चयन समिति की सिफरिश पर पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बाबर आजम को पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों का कप्तान नियुक्त किया है। इसी के साथ अब शाहीन शाह अफरीदी पाकिस्तान की टी-20 टीम के कप्तान नहीं रहे। उन्होंने केवल एक ही सीरीज में पाकिस्तान टीम की कप्तान की। उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला में पाकिस्तान को 1-4 से हार झेलनी पड़ी थी और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में भी अफरीदी की कप्तानी में उनकी टीम लाहौर कलंदर्स 10 में से केवल एक मैच ही जीत पाई थी। इससे पहले बाबर आजम को एकदिवसीय विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद टीम की कप्तानी छोड़नी पड़ी थी।

घुड़सवारी — सीनियर नेशनल चैम्पियनशिप में प्रेदश के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

फराज खान, भोलू परमार और राजू सिंह ने जीता गोल्ड

भोपाल (खे.सं.)। 20 से 31 मार्च तक आर्मी केन्ट दिल्ली में आयोजित सीनियर नेशनल घुड़सवारी चैम्पियनशिप 2023-24 में मध्य प्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुये वनस्टॉर क्रॉस कंट्री इवेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया । मध्य प्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी की टीम में भोलू परमार, फराज खान और राजू सिंह शामिल थे। टूस्टॉर क्रॉस कन्ट्री व्यक्तिगत इवेन्ट में मध्य प्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी के राजू सिंह ने कांस्य पदक अर्जित किया। उल्लेखनीय है कि इस स्पर्धा में मध्य प्रदेश राज्य खेल अकादमी के तीन खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की थी और तीन पदक अपने नाम किये थे। वन स्टॉर क्रॉस कंट्री व्यक्तिगत स्पर्धा में अकादमी में भोलू परमार ने रजत पदक अर्जित किया था। उल्लेखनीय है सभी खिलाड़ी बहुत ही हम्बल बेकग्राउड के खिलाड़ी हैं। इन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर आर्मी की सशक्त टीम के मध्य पदक अर्जित किये हैं। खेल और युवा कल्याण विभाग मप्र ने वर्ष 2006-07 में राज्य घुड़सवारी अकादमी की स्थापना की गई थी। घुड़सवारी अकादमी के खिलाड़ियों ने स्थापना से अब तक कुल 44 अंतर्राष्ट्रीय 179 राष्ट्रीय पदक अर्जित किये हैं।

एशियन जूनियर एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए चार खिलाड़ियों का चयन

भोपाल। 21वीं एशियन जूनियर एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप दुबई में 24 से 27 अप्रैल तक आयोजित होने जा रही है। प्रतियोगिता हेतु भारतीय प्रशिक्षण शिविर 13 अप्रैल से बैंगलोर में आयोजित होने जा रहे हैं, जिसमें मध्य प्रदेश राज्य एथेलेटिक्स अकादमी के चार खिलाड़ी एकता डे, विकास कुमार बिंद, विनोद सिंह और देव मीणा का चयन किया गया है। एकता डे का चयरन 3000 स्टीपलचेसऔर 5000 मीटर के लिए, विकास कुमार बिंद का चयन 3000 मीटर के लिए, विनोद सिंह 5000 मीटर के लिए चयन और देव मीणा का चयन पोल वोल्ट के लिए किया गया है। उल्लेखनीय है कि सभी खिलाड़ियों ने पिछले दिनों लखनऊ में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय जूनियर फेडरेशन एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शनकर एशियन चैम्पियनशिप के लिए व क्वॉलिफाई किया था।

कुश्ती में प्रियांशी ने जीता स्वर्ण, रेखा हर्षिता को कांस्य पदक

भोपाल। अन्डर-20 और 15 जूनियर नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप 2024 गाजियाबाद में आयोजित की गई थी। अकादमी के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और 02 कांस्य पदक सहित कुल 03 पदक अर्जित किये है। प्रियांशी प्रजापत 53 किग्रा. भारवर्ग में अन्डर -20 आयुवर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं रेखा जाट 59 किग्रा. भारवर्ग में अन्डर -20 आयुवर्ग में कांस्य पदक व हर्षिता प्रजापत 46 किग्रा. भारवर्ग में अन्डर -15 आयुवर्ग में कांस्य पदक जीता।

सत्यार्थ प्रकाश

आर्य समाज का महान ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश जिसके रचयिता स्वामी दयानंद सरस्वती जी हैं, में जीवन को सही दिशा में ले जाने के सूत्र हैं और अगर इंसान इसे पढ़े और इसकी शिक्षाओं पर चले तो मानव का कल्याण तो होगा ही बल्कि समाज में भी कुरीतियां दूर होंगी और नैतिक संस्कारों का उजाला होगा। पाठकों की भारी मांग पर इसे प्रस्तुत किया जा रहा है।

देखी और सुनी बात का ज्ञान कहां रहता है

जो कहो व्यापक और उपाधि परिछिन्न है अर्थात एक देशी और पृथक-पृथक हैं तो अंत:करण चलता फिरता है वा नहीं ?

(वेदान्ती) चलता फिरता है।

(सिद्धान्ती) अंत:करण के साथ ब्रह्म भी चलता फिरता है वा स्थिर रहता है ?

(वेदान्ती) स्थिर रहता है।

(सिद्धान्ती) जब अंत:करण जिस-जिस देश को छोड़ता है उस-उस देश का ब्रह्म अज्ञानरहित और जिस-जिस देश को प्राप्त होता है उस-उस देश का शुद्ध अज्ञानी होता होगा।

वैसे क्षण में ज्ञानी और अज्ञानी ब्रह्म होता रहेगा। इससे मोक्ष और बन्ध भी क्षणभङ्ग होगा और जैसे अन्य के देखे का अन्य स्मरण नहीं कर सकता वैसे कल की देखी सुनी हुई वस्तु व बात का ज्ञान नहीं रह सकता। क्योंकि जिस समय देखा सुना था वह दूसरा देश और दूसरा काल, जिस समय स्मरण करता वह दूसरा देश और काल है। जो कहो कि ब्रह्म एक है तो सर्वज्ञ क्यों नहीं ? जो कहो कि अंत:करण भिन्न-भिन्न हैं, इससे वह भी भिन्न-भिन्न हो जाता होगा। तो वह जड़ है उसमें ज्ञान नहीं हो सकता। द्ध

जो कहो कि न केवल ब्रह्म और न केवल अंत:करण को ज्ञान होता है किन्तु अंत:करणस्थ चिदाभास को ज्ञान होता है तो भी चेतन ही को अन्त:करण द्वारा ज्ञान हुआ तो वह नेत्र द्वारा अल्प अल्पज्ञ क्यों है ? कारणोपाधि और कार्योपाधि के योग से ब्रह्म जीव और ईश्वर नहीं बना सकोगे, किंतु ईश्वर नाम ब्रह्म का है और ब्रह्म से भिन्न अनादि अनुत्पन्न और अमृतस्वरूप जीव का नाम जीव है। जो तुम कहो कि जीव चिदाभास का नाम है तो वह क्षणभङ्ग होने से नष्ट हो जाएगा तो मोक्ष का सुख कौन भोगेगा ? इसलिए ब्रह्म जीव ब्रह्म कभी न हुआ न है और न होगा।

(वेदान्ती) तो अद्वैतसिद्धि कैसी होगी ? हमारे मत में तो ब्रह्म से पृथक कोई सजातीय, विजातीय और स्वगत अवयवों के भेद न होने से एक ब्रह्म ही सिद्ध होता है।

जब जीव दूसरा है तो अद्वैतसिद्धि कैसे हो सकती है ?

(सिद्धान्ती) इस भ्रम में पड़ क्यों डरते हो ? विशेष्य-विशेषण विद्या का ज्ञान करो कि उसका क्या फल है ? विशेषण भेदकारक होता है तो इतना और भी मानो कि विशेषण प्रवर्तक और प्रकाशक भी होता है। तो समझो कि अद्वैत विशेषण ब्रह्म का है। इसमें व्यावर्त्तक धर्म यह है कि अद्वैत वस्तु अर्थात जो अनेक जीव और तत्व हैं उनसे ब्रह्म को पृथक करता है और विशेषण का प्रकाशक धर्म यह है कि ब्रह्म के एक होने की प्रवृत्ति करता है, जैस 'अस्मिन्नगरेऽ-द्वितीयो धनाढयो देवदत्त:। अस्यां सेनायामद्वितीय: शूरवीरो विक्रमसिंह:'। किसी ने किसी से कहा कि इस नगर में अद्वितीय धनाढय देवदत्त और इस सेना में अद्वितीय शूरवीर विक्रमसिंह है। इससे क्या सिद्ध हुआ कि देवदत्त के सदृश इस नगर में दूसरा धनाढय और इस सेना में विक्रमसिंह के समान दूसरा शूरवीर नहीं है, न्यून तो हैं।

सुख और दुःख के बीच संक्रमण तो रहेगा ही

चित्त के जगत में जीने वाला व्यक्ति घड़ी के पेण्डुलम का जीवन जीता है। एक क्षण में वह सुखी हो जाता है और दूसरे ही क्षण में दुखी हो जाता है। सुखी और दुख के दो छोरों के मध्य वह सतत संक्रमित बनता रहता है। एक है आत्मा का जगत। आत्मा पदार्थ नहीं है। इसलिए पदार्थ का गुणधर्म आत्मा के जगत में प्रवेश नहीं कर पाता है। बनना और मिटाना पदार्थ का गुणधर्म है। उसके ठीक विपरीत आत्मा का गुण धर्म है। वह त्रिकाल अपरिवर्तित और सुस्थिर रहता है। वहां न कुछ बनता है और न कुछ बनता है। वह प्रकाश-रुपा है। इसलिए आत्मा के जगत में जीने वाला पुरुष सदैव आनंद-मग्न रहता है, सदैव प्रकाश-पूर्ण रहता है। बाहर के कम्पन उसे कम्पित नहीं कर पाते हैं। बाहर के स्पन्दन उसे स्पन्दित नहीं बना पाते हैं। अणगार गजसुकुमाल के सिर पर अंगारे जलते रहे, उनका सिर जलता रहा, और वे परमशान्त भाव से अपनी समाधि में लीन रहे। देह के तल पर जीने वाले व्यक्ति के लिए यह एक अविश्वनीय घटना है। वह मान नहीं सकता कि सिर पर आग जलती हो और व्यक्ति आनंद-मग्न बना रहे। देह के तल पर जीने वाले व्यक्ति के लिए यह अध्यात्म के जगत की एक उलटबासी है। पर यह उलटबासी कल्प-कथा मात्र नहीं है। यह मात्र पुराण की कथा नहीं है। यह जीवन का सच है।

मुनि मणिभद्र

देह के सुख-दुख उन्हें ही संवेदित करते हैं जो देह में कैद होकर जीते हैं। जो देहातीत दशा में जीते हैं उन्हें देह के सुख-दुख संवेदित नहीं बना पाते हैं। देह पर बड़ी से बड़ी घटना घट जाती है पर उन्हें उसकी कोई खबर नहीं होती है। क्योंकि चित्त की भूमिका को विसर्जित करके वे आत्मभूमिका पर विहरणशील होते हैं। और आत्मा सदा-अखंड है, शाशवत आनंद का निधान है। देह के खंड-खंड होने पर भी वह अखंड रहती है। देह के जल जाने पर भी उसमें बहते आनंद के स्त्रोत अविरल प्रवाहित रहते हैं। नमि राजर्षि भी उसी आत्मा के जगत में विहार कर रहे थे। इन्द्र से उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि मिथिला के जलने से मेरा कुछ नहीं जलता है। मैं तो अपने आत्मा-प्रसाद में सुरक्षित हूं। जगत के समस्त प्राणी चाहते हैं कि उन्हें एक ऐसा प्रसाद मिले जिसे आग जला न सके, भूकंप डोला न सके, और ऐसा प्रसाद और ऐसा सुख असंभव नहीं है। एकदम सहज संभव है। उसके लिए मात्र इतना ही करना है कि चित्त के जगत में, आत्मा के जगत में प्रवेश करना है। आत्मा के जगत में प्रवेश ही आत्माप्रासाद में प्रवेश है। आत्मा के जगत में प्रवेश ही अखंड और शाश्वत आनंद में प्रवेश है।

परमात्मा: प्यास का सहज परिणाम

प्यास हो तो पानी उपलब्ध हो जाता है, और प्यास हो तो पानी का मूल्य पता चलता है।

व्रत एवं त्योहार अप्रैल 2024

पर्व	तिथि	वार
शीतला सप्तमी	1 अप्रैल	सोमवार
काल अष्टमी	2 अप्रैल	मंगलवार
भद्रा	3 अप्रैल	बुधवार
गुरु दशमी	4 अप्रैल	गुरुवार
पाप मोचनी एकादशी	5 अप्रैल	शुक्रवार
प्रदोष	6 अप्रैल	शनिवार
मास शिवरात्रि	7 अप्रैल	रविवार

काल अष्टमी

इस बार कालाष्टमी 2 अप्रैल की पड़ रही है। भगवान शिव के रौद्र से काल भैरव का जन्म हुआ था और उनके क्रोध को शांत करने के लिए अष्टमी मनाईऍजाती है। अनेक लोग इस दिन भगवान शंकर के स्वरूप में कालभैरव की पूजा करते हैं। भगवान शिव के इस रूप की पूजा करने से शक्ति मिलती है और अगर मुसीबतें और दुश्मनी में लगे हुए लोग हैं तो उनके इरादे नेस्तनाबूद होते है। भगवान शिव के इस रौद्र रूप की पूजा के अवसर पर अन्न दान से मनोरथ सिद्ध होते हैं।

गुरु की शरण में जाने से मिलती है शुद्धि

श्रीमद्भगवद् गीता - सुगम हिंदी व्याख्या

हे परन्तप अर्जुन! द्रव्य से सम्पन्न होने वाले यज्ञ से ज्ञानयज्ञ अत्यन्त श्रेष्ठ क्योंकि हे पार्थ! समस्त पदार्थ और कर्मत्तत्त्व ज्ञान में समाप्त हो जाते हैं।।

ज्ञान यज्ञ है यज्ञ द्रव्य मय वह कहलाता-जिसमें द्रव्यों की प्रधानता द्रव्य यज्ञ में कर्म मुख्य है-इससे उत्तम यज्ञ द्रव्य मय हो समाप्त जब-होता सचमुच ज्ञान यज्ञ तव कर्म पदार्थ से मिटा नाता-साधक गुरू शरण में जाता अन्त:करण शुद्ध हो जाता- चिन्मय तत्त्व लक्ष्य रह जाता परमतत्त्व का ज्ञान हुआ जब मिटा पदार्थ व कर्म ज्ञान सब।

प्यारे लाल त्रिवेदी

सम्बन्ध - ज्ञान यज्ञ के द्वारा तत्त्व ज्ञान प्राप्त करने की प्रचलित प्रणाली।

उस तत्त्व ज्ञान को तू तत्त्वज्ञानी महापुरुषों के पास जाकर समझ। यदि तू उनको भलीभांति दण्डवत-प्रणाम करेगा, उनकी सेवा करेगा और कपट छोड़कर सरलतापूर्वक प्रश्न करेगा तो वे परमात्म तत्त्व को भलीभांति जानने वाले महापुरुष तुझे उस तत्त्वज्ञान का उपदेश करेंगे।

दोहा - वेदों शास्त्रों का जिसे, पूर्ण रूप हो ज्ञान।
ज्ञानी अथवा श्रोत्रिय, महापुरुष वह जान भगवत्
प्राप्ति हुई जिसे, महापुरुष अति श्रेष्ठ। उसे तत्त्व
दर्शी कहें, अथवा ब्रह्मनिष्ठ।।

खोजो श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ को-करो प्रणाम दण्डवत् उनको पूर्ण रूप शरणागत होकर अरु सेवा में तन्मय होकर शुद्ध हृदय जिज्ञासु भाव से - प्रश्न करो अति नम्रभाव से महापुरुष तब कृपा करेंगे -तत्त्व ज्ञान उपदेश करेंगे

सम्बन्ध-तत्त्वज्ञान का वास्तविक माहात्म्य।

ऐसे तत्त्वज्ञान को प्राप्त करके फिर तू इस प्रकार मोह में नहीं पड़ेगा। हे पाण्डुनन्दन! उसी ज्ञान के द्वारा तू सम्पूर्ण प्राणियों को नि:शेषभाव से पहले अपने में और तत्पश्चात् मुझ सच्चिदानन्दघन परमात्मा में देखेगा।। इस प्रकार उपदेश ग्रहण कर-अरु विवेक जाग्रत होने पर जड़ता से सम्बन्ध मिटेगा- प्राणि मात्र निज रूप दिखेगा जीव ब्रह्ममाया में अन्तर-तत्त्व ज्ञान को ठीक समझकर परमतत्त्व का अनुभव होगा-तब फिर ऐसा मोह न होगा

दोहा-भेद बुद्धि मिट जायगी, आत्मभाव सर्वत्र
अपने में प्राणी सभी, होगा भाव पवित्र।।
देखोगे प्राणी सभी, मुझमें तब हे पार्थ
परमतत्त्व को देखना, ही है दृष्टि यथार्थ।।

यदि तू अन्य सभी पापियों से भी अधिक पापी है, तो भी तू ज्ञानरूपी नौका से निश्चित रूप से सम्पूर्ण पाप-समुद्र को भलीभांति पार कर जायगा।। यदि सम्पूर्ण प्राणियों में तुम-करने वाले तो भी ज्ञान रूप नौका से-निसंदेह अरु पाप अधिकतम निर्भयता से पापों का समुद्र हो तो भी-तर जाओगे तुम उसको भी

हे अर्जुन! जैसे प्रज्ज्वलित अग्नि पूर्णरूप से ईंधनों को भस्म कर देती है, वैसे ही ज्ञानरूपी अग्नि पूर्णरूप से समस्त कर्मों को भस्म कर देती है।

जन्म जन्म से जो एकत्रित-उन कर्मों को कहते संचित संस्कारों पर ये आधारित होता तत्त्व ज्ञान जब प्रकटित सारे संस्कार मिट जाते - संचित कर्म नष्ट हो जाते जो भोगने हेतु आ जाते-वे प्रारब्ध कर्म कहलाते ज्ञानी सुख दुख में सम रहते - तो प्रारब्ध कर्म भी मिटते

दोहा- वर्तमान के कर्म सब, कहलाते क्रियमाण।
कर्तापन के भाव का, होता नहिं निर्माण।
यूं ज्ञानी के कर्म सब, ज्ञान अग्नि में नष्ट। जैसे
ईंधन को करे, जलती अग्नि विनष्ट।

सम्बन्ध - तत्त्व ज्ञान की महिमा और कर्मयोग की विशेष महत्ता। इस मृत्युलोक में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला अन्य कोई साधन नहीं है। भलीभांति जिसका अंत:करण शुद्ध हो चुका है, ऐसा सिद्ध कर्मयोगी उस ज्ञान को अवश्य ही स्वयं अपने आप में प्राप्त कर लेता है। तीर्थ आदि अरु ध्यान यज्ञ जप-पूजा व्रत उपवास दान तप तत्त्व ज्ञान सम नहिं कोउ पावन-साध्य ज्ञान है ये सब साधन

ग्रन्थ अध्ययन की न अपेक्षा-नहिं गुरु आवश्यक न दीक्षा ज्ञानी तत्त्वज्ञान जब पाते-कर्म समस्त भस्म हो जाते कर्मयोग जब सिद्ध हो गया-योगसिद्ध वह पुरुष हो गया ज्यों ही योग सिद्ध हो जाता-परम तत्त्व अनुभव में आता यदि विधि से कर्तव्य करेगा-तत्त्व ज्ञान तो स्वत: मिलेगा।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह

प्यार बने रहना चाहिए

भला हो कि प्यार बना रहे, मिल वर्तन बना रहे, इसी में भलाई छिपी हुई है। एक कुदरत के तमाम सिलसिले चलायमान हैं। यह मालिक जो ठहरा हुआ है, वही हमें ठहराव दे सकता है। जो इस परमात्मा के साथ मन का नाता जोड़ लेता है, वही आनंद, सुकून और चैन प्राप्त करता है। इन्सान अक्सर नासमझी के कारण ठहराव का मतलब वीरानों में चले जाना समझ लेता है। असल में जीवन में ठहराव का मतलब है क्रियाशील होने के बावजूद मन में ठहराव होना। बहनें कुएं से पानी भरकर घर तक लाती हैं, गागर भर कर लाना उनका उद्देश्य होता है। रास्ता ऊबड़-खाबड़ होता है, पगडंडियां भी होती हैं, कई जगह ऊंचा-नीचा स्थान भी होता है। वे सिर पर दो-दो गागर रखे हुए एक-दूसरी से बातचीत भी करती हैं लेकिन इसके बावजूद सूक्ष्म रूप में उनका ध्यान गागर की तरफ ही होता है। वे ऐसा संतुलन बनाती हैं कि चलते हुए भी उस गागर का पानी गिरने नहीं देती। वे संतुलन बनाये रखने के लिये न बोलना छोड़ती हैं न चलना छोड़ती हैं और न सुनना छोड़ती हैं। यह सब क्रियाएं करने के बावजूद उन्हें यह अहसास बना रहता है कि उनके सिर पर गागर है, उस गागर में पानी है और वह पानी कहीं छलक न जाये। इसी प्रकार, संतजन अपने सभी सांसारिक कर्त्तव्य निभाते हुए इस ठहरे हुए परमात्मा के साथ नाता जोड़ कर जीवन जीते हैं, तभी इनके मन को ठहराव मिलता है। इन्सान सुबह-शाम दुनियादारी में फंसा रहता है जिससे इसके मन में विषैलापन आ जाता है, न इसे आनंद प्राप्त होता है न इसके भावों को सुंदरता मिलती है, वह विचलित होकर जीवन में विपरीत चाल चलता है। यह नफरत ही है जिसके कारण इंसान जुल्म-ओ-सितम करता है। तभी धर्म के नाम पर, परमात्मा के नाम पर और जातियों के नाम पर झगड़े होते हैं, दंगे-फसाद होते हैं।

शरीर मलिन और आत्मा निर्मल

ऐसा करने से लक्ष्य प्राप्ति रूप मोक्ष अवश्य प्राप्त होगा।

मुमुक्षु के शौच का स्वरूप वर्णन
अत्यंत मलिनो देहो, देही चात्यंत निर्मल:।
असंगोऽहमिति ज्ञात्वा, शौचमेतत्प्रचक्षते॥ 1॥

शरीर अत्यंत मलिन है और आत्मा अत्यंत निर्मल है और वही असंग पवित्र आत्मा 'मैं' हूं। इस प्रकार जानकर दृढ़ निश्चय करना ही शौच है अर्थात स्थूल शरीर, अस्थि, मांस, मज्जा, मेद, नस-नाड़ी तथा मल-मूत्र आदि अपवित्र पदार्थों का समूह होने से अत्यंत अपवित्र तथा त्याज्य है। 'मैं' आत्मा असंग तथा सच्चिदानंद स्वरूप होने से परम पवित्र हूं, ऐसा दृढ़ निश्चय करना ही देहाभिमान रूप मल का त्याग रूप शौच है।

मुमुक्षु के 'स्नान का स्वरूप वर्णन'
मन्मनो मीनवन्नित्यं, क्रीड़त्यानन्द वारिधौ।
सुस्नातस्तेन पूतात्मा, सम्यग्विज्ञान वारिणा॥ 2॥

भावार्थ : मेरा मन मछली की भांति नित्य आनंद सागर रूप ब्रह्म में क्रीड़ा करता है अर्थात ब्रह्म चिंतन रूप जल में स्नान करने से देहाभिमान रूपी मैल धुल जाने से शुद्ध, बुद्ध, निर्विकार, निराकार, अवशेष आत्मा 'मैं' हूं, इस प्रकार का दृढ़ निश्चय ही स्नान है।

अघमर्षण विधि वर्णन
अथाघमर्षणां कुर्यात्, प्राणापान निराधत:।
मन: पूर्णे समाधाय, मग्न कुम्भो यथार्णवे॥ 3॥

भावार्थ : उपरोक्त विधि से स्नान करने के पश्चात प्राण और अपान का निरोध रूप अघमर्षण करे जैसे समुद्र में घड़ा डुबा देने से डूबा हुआ घड़ा स्थिर रहता है, वैसे ही मन रूपी घड़े को ब्रह्म चिंतन रूपी जलाशय में डुबाकर रखें तथा मन रूपी घड़ा भी व्यापक ब्रह्म में निमग्न रहे।

मुमुक्षु 'के जप ज्ञान का वर्णन'
सर्वत्र प्राणिनां देहे, जपो भवति सर्वदा।

सूर्य को जल चढ़ाने से भाग्य का मिलता है साथ

हिंदू धर्म में सूर्य को देवता का स्थान प्राप्त है। सूर्य के बिना धरती पर अंधकार छा जाता है। वहीं सूर्यदेव को जल अर्पित करने के अनगिनत फायदे होते हैं। सूर्य को जल अर्पित करने से न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक लाभ प्राप्त होता है और आर्थिक उन्नति मिलती है। सूर्य अच्छी सेहत और जीवन शक्ति का भंडार है। बताया जाता है कि आप सूर्य के प्रभाव में जितना अधिक रहेंगे आप उतना ही अधिक सेहतमंद रहेंगे। हांलाकि आजकल लोग सूर्य के प्रकाश को रोकने के लिए चारों तरफ से खिड़कियां-दरवाजे बंद रखते हैं। इसी वजह से शरीर में विटामिन डी की कमी होती है और अन्य कई रोग हमें घेर लेते हैं। सूर्य के प्रकाश का और सूर्य को जल अर्पित करने का अपना धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व है। विज्ञान के मुताबिक सूर्य को जल अर्पित करने के दौरान जब हम पानी की धाराओं में से सूर्य की तरफ देखते हैं। तो उससे निकलने वाली 7 तरह की किरणें हमारी आंखों पर पड़ती हैं। इन किरणों से आंखों को लाभ मिलता है और आंख की रोशनी अच्छी होती है। साथ ही आंखों का रंग भी नेचुरल बना रहता है। बता दें कि जो लोग रोजाना सूर्य को जल चढ़ाते हैं, उनको आंख संबंधी रोग नहीं होते हैं। वहीं सूर्य से विटामिन डी प्राप्त होता है, जो हमारी हड्डियों को मजबूत बनाता है। अथर्ववेद के एक मंत्र के अनुसार, सूर्य औषधि बनाने में सहायक है। सूर्य विश्व में प्राण स्वरूप विद्यमान है और यह अपनी किरणों से जीवों के स्वास्थ्य को अच्छा रखता है। रविवार का दिन सूर्य को समर्पित होता है और भगवान सूर्य सप्तमी तिथि के देवता है। सूर्य देव को जल अर्पित करते समय 'ऊं घृणि सूर्याय नमः' या 'ऊँ आदित्याय नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। बता दें कि सूर्य को भाग्य का कारक माना जाता है। जिन जातकों की कुंडली में सूर्य की स्थिति कमजोर होती है। उनके सरकारी कार्यों में रुकावट आती है और व्यापार नहीं सही चलता है। कार्यस्थल पर हमेशा उच्च पदाधिकारियों से अनबन होती रहती है।

कन्हैया ने जिद पकड़ ली

वह बोला -'तुम्हें पता है ना श्याम, मेरी मईया ने दो दिन पुरानी कढ़ी मुझको दी खाने के लिए। दो दिन पुरानी कढ़ी मैं तुम्हें अर्पित नहीं कर सकता। कन्हैया ने जिद पकड़ ली -'मैं तो वही कढ़ी खाऊंगा, दो दिन पुरानी।' उसे लगा अपने श्यामसुन्दर को कैसे खिला दूं इसे। कुछ सोचकर मधुमंगल ने कढ़ी से भरी मटकी मुख में लगाई और गटागट पीने लगा। कन्हैया ने मटकी छीनते हुए कहा -'अरे! सारी कढ़ी क्यों पी गया ?' मित्र बोला -'श्यामसुन्दर ये दो दिन की बासी थी भला तुम्हें कैसे पीने देता।' कन्हैया ने कहा -'लेकिन मुझे अब तुम्हारा यही प्रसाद चाहिए।' यह कहते हुए कन्हैया ने मधुमंगल का मुख पकड़ा और उसपर लगी कढ़ी को चाटना प्रारंभ कर दिया। इस दृश्य ने देवताओं को भी अचंभित कर दिया।

दीदी मां ऋतंभरा

दिशायें ठहर गई। प्रीत का ऐसा अद्भुत स्वरूप! कान्हा अपने सखा का मुख चाट रहे हैं। मेरे सखाओं के पथ पर कहीं काँटें न हो ये सोचकर अपने हाथों से उन काँटों को बीनते हैं। ये भाव प्रीत का अद्भुत स्वरूप है और आज सारे संसार को ऐसी ही प्रीत की आवश्यकता है। मनुष्य जीवन संस्कारों के बिना पशुवत् ही होता है क्योंकि प्रकृति तो मात्र शरीर देती है जिसकी वृत्तियां लगभग पशुओं जैसी ही होती हैं। केवल संस्कार ही होते हैं जो मनुष्य को पशुओं से भिन्न बनाते हैं। संस्कृति हमें संस्कारों में आबद्ध करते हुए यह निश्चित करती है कि हमारा जीवन कुछ आदर्शों और मर्यादाओं के वशीभूत रहकर स्वयं के होने को सार्थक करे। हमारी संस्कृति का ही प्रभाव है जो अग्नि की साक्षी के बिना कोई भी सनातनी स्त्री या पुरुष किसी को अपना जीवनसाथी बनाने की कल्पना भी नहीं कर सकता। हमारे महान ऋषियों ने हमको कितना विराट भाव दिया, विवाह जैसी संहिता दी, हमारी मर्यादाएं निश्चित कीं, अपनी प्राकृतिक ऊर्जाओं का नियमन तुम कैसे करोगे उसकी विधा सिखाई। क्रोध तो क्रोध है, काम तो काम है, लोभ तो लोभ है लेकिन यह सब होने के बाद भी तुम पशु नहीं मनुष्य हो, इस बात का हमेशा ख्याल रखना।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

देश भर में अपनी अमृत धारा से सत्य की अनुभूति देशवासियों को कराने वाले राष्ट्र संत गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सौजन्य से लाखों लोग लाभ उठा रहे हैं उनके प्रवचनों पर आधारित यह ज्ञान गंगा पाठकों का कल्याण करेगी ऐसा विश्वास है।

बस अपने को ही जानना है

एक बार यह लगन लग जानी चाहिए। केवल कहने, पढ़ने या सुनने मात्र से यह बात बनने वाली नहीं। मन में एक तड़प सी उत्पन्न हो जाए कि संसार का बनकर तो असंख्य दुःख पाकर देख ही लिया। चारों ओर मन लगाया लेकिन कहीं से कुछ हाथ नहीं लगा- अब तो अपने ही भीतर गहरा उतरना है, भीतर ही गोता लगाना है, अपने आपमें ही खो जाना है। सबका बनके देखा मगर अपना नहीं। यही थी भूल जिसकी इतनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। अब तो बस अपने को ही जानना है, एकमात्र अपने को। यह भाव मन में दृढ़ हुआ कि समझो अब कल्याण ही कल्याण है। अब जीवन रूपी गाड़ी अपनी लाइन पर आ गई और शुरू हुआ भीतर का अनोखा लेकिन अत्यंत सुखद सफर। इस सफर में अपनी सर्वोच्च एवं अंतिम मंजिल की ओर अग्रसर होने में हो सकता है कि मन आरंभ में कुछ बहानेबाजियां करे, कुछ कठिनाइयां पैदा करे, अड़ियल घोड़े की तरह यत्र-तत्र अटकने का प्रयास करे, अत: शुरू में एक चाबुक हाथ में रखना होगा।

चाचाबुक कोई और नहीं, विवेक का, विचारों का हो। जब भी मन अपने को छोड़कर कहीं बाहर जाने लगे, तत्काल यह चाबुक लगा दें-

किस तरफ देखता है, तू जा रहा किधर है,
भीतर का है यह रास्ता, भीतर ही देख अपने।

भीतर ही सुख का स्रोत है

यह विचार करें कि मन बाहर जाता ही क्यों है ? जब भीतर ही सुख का स्त्रोत है, सुख का निर्झर है फिर अपने को छोड़कर इसका बाहर जाना, इधर-उधर का चिंतन या कामना करना-भला किसलिए ? यही ऐसा प्रश्न है जिसकी गहराई में उतरने से मानव दिशा-भ्रमित हुआ है, स्वयं सुख-सिंधु होते हुए भी वह दु:खों में ग्रस्त है। विचारणीय है कि जब भी मन कहीं बाहर जाता है, किसी का चिंतन करता है, किसी की इच्छा करता है तो केवल सुख-दृष्टि से ही।

फजाइले अमाल

आबरू-रैजी पर सख्त वइदें

अहादीस में गीबत और मुसलमान की आबरू रेजी पर सख्त से सख्त वइदें आई हैं। मेरा दिल चाहता था कि उनमें से कुछ मोत-दबा रिवायात जमा करूं, इसलिए कि हमारी मज्लिसें इससे बहुत ही ज्यादा पुर रहती हैं, मगर मजमून दूसरा है, इसलिए इसी कदर पर इक्तिफा करता हूं। अल्लाह तआला हम लोगों को इस बला से महफूज फरमाएं और बुजुर्गों और दोस्तों की दुआ से मुझ स्याहकार को भी महफूज फरमाएं कि बातिनी अमराज में कसरत से मुब्तला हूं।

किब्र व नख्वत, जह्ल व गफलत,
हिक्द व कीना, बद जनी,
किज्ब व बद अह्दी, रिया व बुग्ज व
गीबत, दुश्मनी।
कौन बीमारी है यारब जो नहीं मुझमें
हुई,
आफिनी मिन् कुल्लि दाइन वक्जि
अन्नी हाजती।
इन-न ली कल्बन सकीमन, अन-त
शाफिन लिल् अलील॥

तीसरी चीज जिसका रोजेदार को एहतमाम जरूरी है, वह कान की हिफाजत है। हर मकरूह चीज से जिसका कहना और जबान से निकालना नाजायज है, इसकी तरफ कान लगाना और सुनना भी नाजायज है। पैगंबर साहब का इर्शाद है कि गीबत का करने वाला और सुनने वाला दोनों गुनाह में शरीक हैं। चौथी चीज बाकी आजा-ए-बदन, मसलन हाथ का नाजायज चीज के पकड़ने से, पांव का नाजायज चीज की तरफ चलने से रोकना और इसी तरह और बाकी आजा-ए-बदन का, इसी तरह पेट का इफ्तार के वक्त मुश्तबहा चीज से महफूज रखना, जो शख्स रोजा रखकर हराम माल से इफ्तार करता है, उसका हाल उस शख्स का सा है कि किसी मर्ज के लिए दवा करता है, मगर उसमें थोड़ा सा संखिया मिला लेता है कि उस मर्ज के लिए तो वह दवा मुफीद हो जाएगी।

फर्जी नम्बर प्लेट लगी 5 स्कार्पियो संग 2 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में रविवार को थानाध्यक्ष करण्डा मय हमराह द्वारा चाड़ीपुर तिराहे पर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी कि जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि मैनपुर की तरफ से आ रही 02 स्कार्पियो वाहन जिस पर गलत नम्बर प्लेट लगाकर कहीं बेचने के फिराक मे जा रहे हैं । इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर दोनों स्कार्पियो के साथ 02 अभियुक्त अमित यादव पुत्र विजयन्त यादव निवासी ग्राम परमेठ थाना करण्डा जनपद गाजीपुर उम्र 29 वर्ष तथा जितेन्द्र बिन्द पुत्र सूब्बा बिन्द निवासी सिरगिथा थाना नंदगंज जनपद गाजीपुर उम्र 30 वर्ष तथा उपरोक्त अभियुक्तों की निशानदेही पर भिन्नझभिन्न स्थानों से 03 अन्य स्कार्पियो वाहन को बरामद किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि हम लोग रजिस्ट्रेशन फेल हुई गाडियाँ महाराष्ट्र व गुजरात से सस्ते दामों में खरीदकर ले आते हैं तथा उसका चेचिस नम्बर व नम्बर प्लेट बदलकर लगन कमाने व लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों को प्रचार हेतु तथा बिहार में अच्छे दामों में बेचने हेतु इन वाहनों का उपयोग करते हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष करण्डा मय हमराह जनपद गाजीपुर व प्रभारी स्वाट/सर्विलांस मय टीम जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

स्कूटी सवार शिक्षिका को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, दर्दनाक मौत

प्रखर वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र के सारनाथ- मुनारी मार्ग पर सरैयां नं 2 को-ऑपरेटिव के पास सोमवार की सुबह स्कूटी सवार शिक्षिका की ट्रैक्टर के धक्के से मौत हो गयी थी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही में जुट गयी। पुलिस ने शिक्षिका के परिजनों को भी सूचित किया है। जानकारी के अनुसार, कल्याणपुर (छांही) सारनाथ निवासी शिक्षिका अंजली पाण्डेय (24 वर्ष) पत्नी शिवम पाण्डेय स्कूटी से मंगरहुआ चौबेपुर स्थित एक निजी विद्यालय में पढ़ाने के लिए जा रही थी। सरैयां नं 2 को-ऑपरेटिव के सामने पहुंचने पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने जोरदार धक्का मार दिया। जिससे स्कूटी सवार शिक्षिका सड़क पर गिर गयी। इस दौरान गिरते ही ट्रैक्टर का अगला पहिया उसके सिर पर चढ़ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची चौबेपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही में जुट गयी।मृत शिक्षिका को एक पांच वर्ष का पुत्र आयुष है। मृतक का पति शिवम घर पर ही खेतीबारी का कार्य करता है। घटना के सम्बंध में मृतक शिक्षिका के ससुर भृगुनाथ पाण्डेय ने चौबेपुर थाने पर लिखित तहरीर दी है। आक्रोशित ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए सारनाथ मुनारी मार्ग जाम कर दिया था। नायब तहसीलदार जाल्हूपुर सुलेखा वर्मा ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम समाप्त कराया।

संक्षिप्त खबरें

बक्से में लावारिस महिला की मिली लाश, सनसनी

प्रखर गाजीपुर। मरदह थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे पर कांसहरी, भवानीपुर एफसीआई गोदाम के पास रविवार की रात्रि में बक्शे में लावारिस हालत में महिला का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर रात में ही पोस्टमार्टम के लिए गाजीपुर भेजवा दिया। महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। वाराणसी गोरखपुर हाइवे पर भवानीपुर गोदाम के पास ग्रामीणों की नजर एक स्टील के बक्शे पर पड़ी तो आनन फानन में पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने बक्शे को खोला तो प्लास्टिक से सील महिला का शव पड़ा मिला, महिला की उम्र 40 के बीच बताई जा रही है, महिला की शव की पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के रात में ही भेजवा दिया। थानाध्यक्ष मरदह धर्मेंद्र पाण्डेय ने बताया महिला का शव बक्शे में मिला है, महिला ने नीले रंग की छिटदार साड़ी पहनी हुई थी, महिला के शव की पहचान नहीं हो पाई है पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया गया है।

रंगभरी एकादशी के दिन श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में पत्रकारों से बदसलूकी करने वाले अपर पुलिस उपायुक्त हटाए गए !

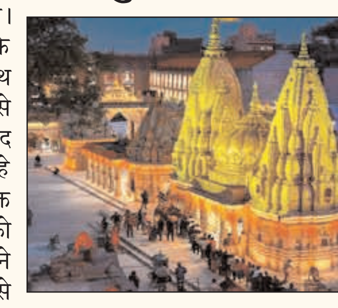

प्रखर वाराणसी। रंगभरी एकादशी के दिन श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में पत्रकारों से बदसलूकी के बाद गैरहाजिर चल रहे अपर पुलिस उपायुक्त सुरक्षा वीरेंद्र कुमार को निर्वाचन आयोग ने कमिश्नरेट मुख्यालय से संबद्ध किया। अपर पुलिस उपायुक्त (महिला अपराध) ममता रानी चौधरी को अपर पुलिस उपायुक्त सुरक्षा का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। पत्रकारों से बदसलूकी की शिकायत पाकर पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने एडिशनल सीपी एस चनप्पा को जांच सौंप दी थी। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

प्रखर गोरखपुर। उ.प्र. प्रबंधक शिक्षक कल्याण संघ के अध्यक्ष बाबूराम पाण्डेय के नेतृत्व में 31 मार्च दिन रविवार को जे.पी.लान तारामण्डल गोरखपुर में होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखपुर व विशिष्ट अतिथि श्री राम दरस राय, महेंद्र राय,संजय पाण्डेय, संरक्षक जयराम प्रसाद, विक्रम जीत सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष हिन्दी गोरखपुर विश्वविद्यालय, राजेन्द्र राय दूर संचार सलाहकार समिति के सदस्य भारत सरकार,राजन सिंह सउर्यवंशई राष्ट्रीय अध्यक्ष अस्पा, उपस्थित थे। इस होली मिलन स्वागत समारोह में आंनद सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष, शिवेंद्र दूबे जिला अध्यक्ष, ऋषिकेश पाण्डेय,मनोज यादव,सम्भु यादव, समेत सैकड़ों कि संख्या में स्कूल के प्रबंधक व शिक्षकगण मौजूद थे।

शिक्षा सेवा संघ का प्रयास लाया रंग दर्जनों छात्रों का नवोदय एवं अटल आवासीय विद्यालय में हुआ चयन

प्रखर हरपुर-बुदहट,गोरखपुर। शिक्षा सेवा संघ के संस्थापक अनुपम प्रजापति इंस्पेक्टर सीबीआईसी और सह-संस्थापक अजीत यादव सब-इंस्पेक्टर उ.प्र.पु.के द्वारा शुरू की गई निःशुल्क शैक्षणिक संस्थान शिक्षा सेवा संघ मे पढ़ाई करके गरीब वंचित तबके के बच्चो ने अपना हुनर दिखाते हुए गाँव जवार का नाम रोशन किया। जिसमे संजना पुत्री जवाहरलाल, नैंसी पुत्री रामस्वरूप,कंचन पुत्री राकेश,प्रियांशु शर्मा,रविन्द्र शर्मा, अवनीश वर्मा,पुत्र श्रवण वर्मा, अनिकेत गुप्ता,प्रिति सहित दर्जनो बच्चो ने आवासीय विद्यालय मे चयनित होकर अपना परचम लहराया। इस बाबत शिक्षा सेवा संघ के संस्थापक अनुपम प्रजापति से बात करने पर उन्होने सभी बच्चो के उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए बताया कि जहाँ 100 सीट के आसपास बैकेंसी हो उसमे आधा दर्जन से अधिक बच्चो का चयन एक संस्थान से हो जाना हम सबके और शिक्षा सेवा संघ संस्थान के सभी सदस्यो विशेषकर अध्यापक अमित चौरसिया, अजय गुप्ता,सुनील,फूल सिंह और सत्येंद्र पाण्डेय के लिए गर्व की बात है,आगे भी हम सब गरीबो वंचितो का हर संभव मदद किसी न किसी रूप मे करते रहेंगे। यदि कोई गरीब का बच्चा जो प्रतिभाशाली है और पढ़ाई करके कुछ बनना चाहता है लेकिन पैसो के अभाव मे उसकी पढ़ाई बाधित हो रही हो तो ऐसे बच्चो को मुझसे या अजीत यादव दरोगा जी से अवश्य मिलवाया जाय हम लोग हर संभव मदद करेंगे,पैसो के अभाव मे प्रतिभाशाली छात्र का भविष्य नहीं खराब होनी चाहिए यह समाज का और हम सबका दायित्व है। हम सब आगे भी गाँव ज्वार के गरीब रूरतमंद प्रतिभाशाली छात्रो की मदद किसी न किसी रूप मे करते रहेंगे।

अनुपुर प्रजापति इंस्पेक्टर सीबीआईसी

अजीत यादव सब-इंस्पेक्टर

हर घर पानी तो पहुंचा नहीं, सड़कें हो गई बर्बाद

जखनियां। गाजीपुर। तहसील क्षेत्र के विकास खण्ड मनिहारी के चौकड़ी गांव में हर घर- नल जल योजना का कार्य धीमी गति से हो रहा है। लगभग छः महीने से गांव में चल रहे इस योजना का कार्य पूरा नहीं किया गया। इस योजना को पूरा करने के लिए पाइप लाइन बिछाने के लिए सड़क की खुदाई की गई थी।लेकिन अभी भी पाइप लाइन का कार्य पूरा नहीं किया गया है।।चौकड़ी गांव में घर घर-नल जल योजना ने सड़क की सूरत बिगाड़ के रखदी है। पीएचडी विभाग द्वारा पाइप बिछाने के लिए दलित बस्ती को जाने वाली पीसीसी ढलाई को तोड़ दिया है। सड़क को तोड़ दिए जाने से सड़क जानलेवा हो गई है। सड़क तोड़कर बर्बाद कर देने के बाद भी सभी के घर में नल का जल नहीं पहुंच पाया है।हर घर नल-जल योजना के अंतर्गत मुख्य सड़कों एवं गलियों में पाइप लाइन डालने के लिए जहां-तहां खुदाई से सड़क की स्थिति बदहाल हो चुकी है। शाम होने के बाद अंधेरे में डूबी सड़कों पर गुजरने में भी लोगों को डर और कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ता है।स्थानीय निवासी जगरनाथ राम ने बताया कि गांव के बीचो बीच पीसीसी सड़क थी। नल जल के ठेकेदार ने पीसीसी ढलाई को बीचो बीच तोड़कर पाइप बिछाया है। लेकिन उनके द्वारा सड़कों का पुनः निर्माण नहीं कराया गया। जिससे बाइक लेकर चलना भी मुश्किल हो गया है।

सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित हुआ इफ्तार, इफ्तार देता है आपसी सौहार्द का संदेश : रियाजुल हक

प्रखर जौनपुर। रमजान का महीना इस्लाम धर्म में पवित्र महीना माना जाता है ,इस माह में मुसलमान रोजा रखते हैं और इबादत करते हैं,वही इस मौके को देखते हुए पुण्य और आपसी सौहार्द की नीयत से मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी मियापुर की संस्था ने उक्त मोहल्ले में रोजेदारों के लिए एक इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जहा सैकड़ो की संख्या में एक साथ लोगों ने रोजा इफ्तार किया,मोहल्ले वासियों के अलावा समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि समाजसेवी रियाजुल हक ने कहा कि इफ्तार का आयोजन रोजेदारों को इस बात का एहसास कराता है कि उनका सम्मान समाज में भी और खुदा के नजदीक कितना है अन्य समाज के लोग भी रोजेदारों के साथ एक साथ इफ्तार करके अलग ही अनुभूति प्राप्त करते हैं इस प्रकार से इफ्तार का आयोजन आपसी सौहार्द को बढ़ावा देता है। इस मौके पर मुख्य रूप से ख्वाजा अहमद हसन, राशिद, शैंकी, असद, मोहम्मद आसिफ, इरशाद खान, शाहिद कमाल, अल्ताफ सोनू,आफाक अहमद, ईशान खान, तो वहीं अतिथि के रूप में मनोज मौर्य, कृष्णा यादव (सभासद), एहसान खान (फर्रुख), मौजूद रहे। अंत में हाफिज अब्दुल करीम ने मुल्क में अमन सुकून भाईचारा एवं मुल्क की तरक्की के लिए दुआएं कराई, आयोजक बख्तियार आलम और साकिब ने सयुंक्त रूप से आए हुए मेहमानों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उल्लू नहीं करता कभी उल्लू पानी की बात, उल्लू पानी की बात करता आदमी की जात : कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। रामकटोरा काशी सेवा समिति महामना मालवीय सभागार में वहां के सभापति डॉ रामावतार पांडे एडवोकेट के अध्यक्षता में सर्वदलीय गौ रक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक के प्रमुख संयोजन संचालन में महामूर्ख हसो -हसो रेला -अखिल भारतीय हाथ से हंगामा का आयोजन एवं संवत्सर अभिनंदन सम्मान समारोह का आयोजन अस्मिता नाट्य संस्थान एवं सुदामा फाउंडेशन के नाट्य रंग कमी विजय कुमार गुप्ता एवं डॉ राजीव गौतम स्वागत अध्यक्ष द्वय के दिशा निर्देशन में सर्व दलीय गौ रक्षा मंच के प्रदेश संयोजक प्रकाश कुमार श्रीवास्तव गणेश, डॉ. सुभाष चंद्र, कवि सुखमंगल सिंह मंगल के स्वागत संरक्षण में संपन्न हुआ। गदही उल्लू विवाह- विवाद में गदही दुलहा जौनपुर की कवयित्री सुमति श्रीवास्तव ने पूर्व जन्म में मैं मानव थी अब गदही कुल में आई हूं,जब से गदही कल में आई हूं बहुत आत्म सुख पाई हूं, लोग खादी पहनकर ,दूध मलाई खाकर भी अपने कुल का अपमान करते हैं हम लोग तो घास भूसा खाकर लादी ढोकर भी अपने कल का सम्मान करते हैं। सुनाया इतना सुनते ही रांची की कवयित्री डॉ.ममता मनीष सिन्हा उल्लू दुल्हन ने- उल्लू नहीं करता कभी उल्लूपने की बात , उल्लूपने की बात करता आदमी की जात, आदमी के जात का दुष्कर्म देखकर इसीलिए उल्लू दिन में नहीं देखा देखा है सिर्फ रात सुनाया एक दूजे को माला - फूल और गुब्बारा, झाड़ू का पहनाकर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया` यह देखकर आयोजन के महामूर्ख अध्यक्ष डॉ.राम अवतार पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि गंगा सहाय पाण्डेय, गिरीश पाण्डेय, डॉ. संगमलाल त्रिपाठी भंवर, कवि सुख मंगल सिंह मंगल, कवि सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध सहित अनेकों जलंतू विशिष्ट लोगों ने गदही दुलहा- उल्लू विवाह को विवादास्पद करार देते हुए अगले वर्ष तक के लिए स्थगित कर दिया। मंचीय एवं आनलाईन नवसंवत्सर अभिनन्दन सम्मान ,स्वास्थ्य वर्धक हसो -हसाओ रेला में प्रमुख रूप से अशोक श्रीवास्तव भुलक्कड़ बनारसी,डॉ. संगमलाल त्रिपाठी भंवर, लक्ष्मी शर्मा, संगीता श्रीवास्तव, सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध, जयशंकर सिंह, राजेन्द्र गुप्त बावरा, डॉ. रामजी गुप्ता धीरज, विनय पाण्डेय बहुमुखी, गोपाल जी केशरी, शैलेन्द्र अम्बषट, कमलबाबू स्वदेशी, पंकज मतलबी, अभिषेक मिश्रा अवि, कुलदीप मिश्रा गुमनाम, चिंतित बनारसी, डॉ.केपी. प्रकाश लावारिस, ललित मोहन जोशी, अंकुर मिश्रा, तरूण तरंग, भगवती प्रसाद, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, दिवाकर उपाध्याय, कपिल मिश्रा काशी, अमित कुमार शर्मा, निखिलेश मालवीय, अमित मिश्रा,तेजबली अनपढ़,रीतू दीक्षित, काली शंकर उपाध्याय,अनुज दूबे, मणिबेन द्विवेदी, अरूण मिश्रा गुंजन, झरना मुखर्जी, प्रज्ञा श्रीवास्तव, सुषमा जौनपुरी, यशवन्त यादव ,सूर्य प्रकाश सिंह रघुवंशी सहित अनेकों लोगों ने काव्य पाठ ,विचार मंथन किया और 108 लोगों को नव संवत्सर अभिनन्दन सम्मान भी भेंट किया गया।

गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम दानगंज प्रथम विद्यालय पर नव प्रवेश उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

प्रखर दानगंज। मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी शिव नारायण सिंह, विशिष्ट अतिथि बृजेश कुमार राय खंड शिक्षा अधिकारी , प्रधानाध्यापक जितेंद्र सिंह, नगीना बेगम एसएमसी अध्यक्ष, सदस्यगण, अभिभावक एवं बच्चे कार्यक्रम में उपस्थित रहे, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, प्रधानाध्यापक, ने बच्चों को पुरस्कार वितरित किया एवं अभिभावकों से विद्यालय में अधिक से अधिक नामांकन करने के लिए प्रेरित किया, बच्चों द्वारा बनाए गए टीएलएम की, मुख्य अतिथि महोदय ने भूरी भूरी प्रशंसा की तथा इन बच्चों को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए सभी अध्यापकों को माल्यार्पण कर स्वागत किया, कार्यक्रम में प्रतिमा देवी प्राची गुप्ता प्रीति सिंह साधना सिंह मोनिका, अर्चना ,प्रशांत ,ऊषा, हरिश्चंद्र, अश्वनी इमरान, विवेकानंद, असगर ,दया ,मुरारी, आनंद सिंह,रामजीत राम,उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

वैदिक सिटी से प्रभावित किसानों का धरना का 17वां दिन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। किसान न्याय मोर्चा के नेतृत्व में वैदिक सिटी से प्रभावित किसानों का 17वां दिन हृदयपुर सारनाथ वाराणसी में चल रहा है` धरना स्थल पर पहुंचे किसान न्याय मोर्चा प्रदेश संयोजक महेंद्र यादव एडवोकेट ने कहा कि आवास एवं विकास परिषद 1965 के तहत किसानों की जमीन लेने का यह सरकार काम कर रही है और धारा 28 का प्रकाशन कर चुका है और कानून का पालन न करते हुए धारा 29 का भी नोटिस किसानों को देना शुरू कर दिया है जो की विधि के खिलाफ है और इसके लिए किसान हाईकोर्ट में रिट दाखिल करेंगे और इसके साथ धरना - प्रदर्शन किसान करते रहेंगे और किसानों से आवाहन किए हैं कि इस वर्तमान सरकार को किसी भी कीमत को वोट नहीं देना है क्योंकि यह सरकार किसान हितैसी नहीं किसान विरोधी है। किसान न्याय मोर्चा प्रदेश महासचिव अशोक प्रजापति ने कहा कि यह तानाशाही सरकार किसानों की जमीन जबरदस्ती लेना चाह रही है यह 2013 कानून से किसानों की जमीन नहीं ले रही है किसानों की जबरदस्ती जमीन लेकर कारपोरेट जगत को यह बेचने का काम कर रही है और किसी भी कीमत पर किसान एक इंच भी जमीन नहीं देंगे कहा आने वाले दिनों में चुनाव है किसान उसी का समर्थन करेंगे जो उनके हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने के लिए उनके साथ रहेंगे और 2024 में यह सरकार बदलना है क्योंकि यह सरकार किसान की हितैसी नहीं किसान विरोधी है इस क्षेत्र के सांसद और कैबिनेट मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडे ने किसानों के साथ 337 करोड़ का वादा किया था जो आज तक नहीं दिया इसलिए किसान इस सरकार का समर्थन नहीं करेंगे आवास एवं विकास परिषद केवल वैदिक सिटी योजना के तहत जमीन नहीं ले रही है बल्कि बनारस में काशी द्वारा योजना वर्ल्ड एक्सपो सिटी योजना,विद्या निकेतन योजना,वरुणा बिहार जोन एक व दो के तहत किसानों की बहू फसली जमीन बिना किसने की सहमति से जबरदस्ती लेने का काम कर रही है जिसका किसान अंतिम दम तक लड़ाई लड़ते रहेंगे और किसी कीमत पर जमीन नहीं देंगे। उक्त धरना स्थल डॉ उमाशंकर यादव (वरिष्ठ समाजवादी नेता) सुशील पटेल', रमापति यादव एडवोकेट राजेंद्र मानव , पन्ना लाल यादव ,नंदू पाल ,रविंद्र पटेल, अनिल पटेल, श्यामा देवी , पूजा देवी , संगीता देवी, गीत देवी राधिका पटेल इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सड़क के बीचोंबीच सूखा पेड़ दे रहा दुर्घटना को दावत

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। भीटी रावत के गीडा सेक्टर-26 मुख्य मार्ग पर स्थित बीच सड़क में वर्षो से खड़ा एक सूखा पेड़ किसी बड़ी दुर्घटना को दावत दे रहा है। पिछले एक वर्ष में गीडा सेक्टर-26 में कई कम्पनियां बनकर तैयार हो गई तथा इनके संचालन से पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिलान्यास भी हो गया लेकिन इसके बावजूद जिला प्रशासन व वन विभाग कुंभकर्णी निद्रा में लीन है।आखिर मुख्यमंत्री महोदय भी इसी रास्ते कई बार आ जा चुके हैं लेकिन किसी जिम्मेदार अधिकारी कि निगाह इस सुखे पेड़ पर नहीं पड़ी लगता है कि इन विभागों की नींद किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही टूटेगी। राष्ट्रीय राजमार्ग-28 से गीडा सेक्टर-26 मुख्य मार्ग के किनारे एक पेड़ वर्षों पहले सूख गया। लोगों ने कई बार वन विभाग व जिला प्रशासन का ध्यान इसके तरफ आकृष्ट कराया लेकिन पेड़ को हटाने का कोई प्रयास अभी तक संभव नहीं हुआ। इस व्यस्त मार्ग पर लोगों का आवाजाही वाहनों का 24 घंटे निरंतर जारी रहता है,यह सूखा पेड़ कब किसी वाहन या किसी मुसाफिर पर गिर पड़ेगी कहा नहीं जा सकता। ऐसे में राहगीरों के जीवन पर खतरे के बादल मडरा रहा हैं। जानकारी के लिए बता दे कि वन विभाग का कार्यालय भी यहां से महज चन्द दूरी पर स्थित है। तथा विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों का इसी रास्ते से आना जाना लगा रहता है। लेकिन इस इस तरफ ध्यान देने का जहमत कोई नहीं उठाना चाहता। इस संदर्भ में वन क्षेत्र अधिकारी सहजनवां अखिलेश तिवारी से बात करने की कोशिश की गई तो उनका फोन ही नहीं उठा।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं